mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-29 अंक-260 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
20 सितम्बर 2025 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

चाइना मास्टर्स में...
@ पेज 7

औद्योगिक निवेश से विन्ध्य को विकास की नई गति मिलेगी : डॉ. मोहन यादव

नवम्बर माह में बनारस में होगी इंडस्ट्रियल समिट : मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि औद्योगिक निवेश से विन्ध्य एवं त्योंथर को विकास की नई गति मिलेगी। उन्होंने उद्यमियों को आमंत्रित किया कि वह रोजगार परक उद्योग लगायें सरकार इसमें हर संभव मदद करेगी। उन्होंने बनारस से आये उद्यमियों के आग्रह पर घोषणा की कि नवम्बर माह में काशी विश्वनाथ की नगरी में इंडस्ट्रियल समिट का आयोजन होगा।

चाकघाट में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उद्यमियों से वन टू वन चर्चा के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री के संकल्प के अनुरूप हम स्वदेशी के मूलमंत्र को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। आप सभी उद्यमी अपने उद्योग स्थापित करने के लिये आयें शासन स्तर से हर संभव मदद दी जायेगी। उन्होंने कहा कि औद्योगिक निवेश में मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है और आने वाले वर्षों में हम देश में उच्चतम स्तर पर होंगे। उन्होंने उद्यमियों को पराली से संबंधित व फूड प्रोसेसिंग से संबंधित उद्यम स्थापना के साथ अन्य क्षेत्र के उद्योग स्थापना के लिये आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रीवा जिले में मऊगंज व त्योंथर विद्यानसभा क्षेत्रों में पर्याप्त भूमि की उपलब्धता है। औद्योगिक क्षेत्र विकास की योजना बनाई गई है। उन्होंने कहा कि यदि उद्यमी स्वयं अपने पूजी निवेश से परिसर बनाकर उद्योग स्थापित करते हैं तो उन्हें हम पूरी सुविधा व मदद देंगे।

डॉ. यादव ने त्योंथर में कम्प्रेस्ड वायोगैस प्लांट के भूमिपूजन की बधाई दी तथा अपेक्षा की कि इससे स्थानीय जनों को लाभ मिलेगा। पराली की समस्या से निजात मिलेगी तथा जैविक विकास को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर कहा कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री अपने जन्मदिवस पर मध्यप्रदेश में उपस्थित रहे और उन्होंने पीएम मित्र पार्क के माध्यम से इंडस्ट्रियल क्षेत्र को सौगात दी जो रोजगार उपलब्धता में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्यमियों को प्रदेश में निवेश के लिये आमंत्रित किया तथा कहा कि उनकी सभी समस्याओं का समाधान किया जायेगा। बनारस रामनगर के 17 उद्यमियों के प्रतिनिधियों ने संकल्प लिया कि रीवा जिले में एक हजार करोड़ का निवेश करेंगे। उद्यमियों के वन टू वन कार्यक्रम में रामनगर उद्योग एसोशियेसन ने अंगवस्ताम व काशी विश्वनाथ मंदिर की प्रतिकृति मुख्यमंत्री को भेंट की। वन टू वन चर्चा के दौरान डी.एस. मिश्रा अध्यक्ष रामनगर उद्योग संघ वाराणसी, राकेश जायसवाल, दिलीप सिंह अध्यक्ष म.प्र. चावल संघ तथा सूक्ष्म एवं लघु उद्यम योजनान्तर्गत उद्यमी अमित गौतम ने मुख्यमंत्री से संवाद करते हुए कहा कि प्रदेश की आकर्षक उद्योग नीति से उत्साहित होकर हम प्रदेश में निवेश करेंगे और यह क्षेत्र उद्योग के क्षेत्र में ऊंची उड़ान भरेगा।

राहुल के बयान पर नेताओं ने या कहा...

- गिरिराज सिंह- केंद्रीय मंत्री भारत कभी भी अर्बन नक्सल को स्वीकार नहीं करेगा। राहुल देश को गृह युद्ध में फंसाना चाहते हैं। कभी मुस्लिम को भड़काते हैं तो कभी उल-जलूल बातें करते हैं। इसके लोग बांग्लादेश की बात करते हैं।
- निशिकांत दुबे, सांसद मैं आलंद चुनाव के पार्टी इन्चार्ज था, मुझे विश्वास था कि वह सीट भाजपा जीतेगी, क्योंकि कांग्रेस ने कभी वह सीट जीती ही नहीं थी। अगर वाकई वोट चोरी हुई है तो कांग्रेस को इलेक्शन कमीशन का धन्यवाद करना चाहिए, क्योंकि कांग्रेस ने आजादी के बाद पहली बार आलंद सीट जीती।
- रविशंकर प्रसाद, सांसद -राहुल गांधी लगातार झूठ बोल रहे हैं और तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं। वे देश की लोकतांत्रिक परंपराओं से विश्वासघात कर रहे हैं। राहुल ने विपक्ष के नेता (LoP) के पद की गरिमा को भी गिरा दिया है।

ऐसे मुद्दे चुनाव हारने के बाद ही उठाते हैं, राहुल गांधी के वोट-चोरी के आरोप पर अजित पवार का पलटवार

नागपुर। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के केंद्र सरकार पर वोट चोरी के आरोपों ने देशभर में बयानबाजी का बाजार गर्म कर रखा है। ऐसे में अब इस मामले में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने राहुल गांधी के आरोपों को खारिज करते हुए बेमतलब और बेतुका बताया। पवार ने कहा कि विपक्षी दल ऐसे मुद्दे सिर्फ चुनाव हारने के बाद ही उठाते हैं। पवार ने ये बात नागपुर एयरपोर्ट पर एनसीपी के चिंतन शिविर से पहले पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। बता दें कि वोट चोरी के आरोपों को लेकर एक बार फिर गुरुवार को राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार ने उन लोगों को बचा रहे हैं जिन्होंने लोकतंत्र को नष्ट किया है। उन्होंने कर्नाटक की एक विधानसभा सीट का हवाला देते हुए दावा किया कि कांग्रेस समर्थकों के वोट चुनाव से पहले योजनाबद्ध तरीके से हटाए जा रहे हैं।

दिशा पाटनी के घर फायरिंग करने वाले दो शूटर गिरफ्तार

यूपी के बागपत के रहने वाले; गैंग लीडर ने पुलिस को चैलेंज दिया- बदला लेंगे

बरेली,एजेंसी। यूपी के बरेली में एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर फायरिंग करने वाले दो और शूटरों को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को दोनों शूटरों को दिल्ली पुलिस ने पकड़ा है। इनके नाम नकुल सिंह और विजय तोमर हैं। दोनों बागपत के रहने वाले हैं। इन पर एक-एक लाख का इनाम था।

दोनों ने 11 सितंबर को दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग की थी। एक सीसीटीवी भी सामने आया था। इसमें वे बाइक पर जाते हुए नजर आ रहे हैं। बरेली पुलिस ने दिल्ली पुलिस से संपर्क किया है। दोनों शूटरों को बी-वारंट पर बरेली लाया जाएगा।

भारत अपने पड़ोसियों के साथ रिश्तों के मामले में भाग्यशाली नहीं रहा : राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के 60 वर्ष पूरे होने पर साउथ ब्लॉक में उस युद्ध में शामिल हुए अधिकारियों और सैनिकों के साथ शुक्रवार को बातचीत की। उन्होंने कहा कि भारत अपने पड़ोसियों के साथ रिश्तों के मामले में कभी भी भाग्यशाली नहीं रहा है, लेकिन हमने इसे नियति नहीं माना है। किसी भी राष्ट्र का वास्तविक भाग्य खेतों, कारखानों, प्रयोगशालाओं में और रणभूमि में बहाए गए पसीने से बनता है। भारत अपना भाग्य किसी और के भरोसे नहीं छोड़ता, भारत अपना भाग्य खुद गढ़ता है। इसका एक उदाहरण हमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एक बार फिर देखने को मिला।उन्होंने कहा कि 1965 का युद्ध कोई छोटा-मोटा संघर्ष नहीं था, बल्कि वह भारत की ताकत की परीक्षा थी।

रैली से संपत्ति को नुकसान हुआ तो करनी होगी भरपाई

अदालत ने सरकार को नियम बनाने के दिए निर्देश

चेन्नई,एजेंसी। मद्रास हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह राजनीतिक दलों की जमा सुरक्षा राशि वसूलने के लिए दिशानिर्देश बनाए, जब भी वे सार्वजनिक सभाएं या इस तरह के आयोजन करना चाहते हैं। इस राशि का उपयोग पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा सार्वजनिक व निजी संपत्तियों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए किया जाएगा। जस्टिस एन. सतीश कुमार ने अतिरिक्त लोक अभियोजक ई. राज तिलक ने कहा कि वह 24 सितंबर तक ऐसे दिशानिर्देशों की रिपोर्ट पेश करें, जो उन सभी राजनीतिक दलों और अन्य संगठनों/संघों पर लागू हों, जो सार्वजनिक बैठकें, रैली आदि आयोजित करना चाहते हैं। कोर्ट ने यह निर्देश उन घटनाओं को ध्यान में रखते हुए जारी किया, जिनमें राजनीतिक दलों के बड़े जमावड़ों के दौरान सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचा था। साथ ही इस तथ्य को भी ध्यान में रखा गया कि प्रभावित लोगों को अक्सर हुए नुकसान की भरपाई नहीं मिल पाती।

यासीन मलिक के दावों पर भाजपा का हमला,

अमित मालवीय ने यूपीए सरकार की नीतियों पर उठाए सवाल

कोलकाता,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के आतंकी यासीन मलिक की ओर से दिल्ली उच्च न्यायालय में हाल ही दिये गये हलफनामें में किये गये दावे के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नीत तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े किये हैं।

यायीन मलिक के दावे पर भाजपा ने कांग्रेस नेतृत्व वाली तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी के आईटी सेल प्रमुख और पश्चिम बंगाल के सह प्रभारी अमित मालवीय ने ट्वीट कर कहा कि यासीन मलिक एक कुख्यात आतंकी है, जिसने भारतीय वायुसेना के जवानों को गोली मारकर मौत के घाट उतारा। यह सीधे राष्ट्र के खिलाफ युद्ध छेड़ने जैसा अपराध है और ऐसे आतंकी को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जा सकता।

मालवीय ने अपने ट्वीट में सवाल उठाते हुए कहा कि अगर यासीन मलिक का यह दावा सही है, तो यह यूपीए सरकार की राष्ट्रीय सुरक्षा और बैक-चैनल डिप्लोमेसी को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को यह साफ करना चाहिए कि आखिर किस आधार पर एक कुख्यात आतंकी से इस तरह की बातचीत करवाई गई और फिर प्रधानमंत्री स्तर पर उसका आभार जताया गया।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार की आतंकवाद के प्रति नीति और पाकिस्तान से निपटने की रणनीति को कटघरे में खड़ा करते हुए मालवीय ने कहा कि कांग्रेस राज में आतंकियों को प्रधानमंत्री लेवल पर शुक्रिया अदा किया जाता रहा है।

उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) का आतंकी यासीन मलिक, जो आतंकी फंडिंग मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है, उसने हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर हलफनामे में दावा किया है कि वर्ष 2006 में पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक और 26/11 हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद से उसकी मुलाकात तत्कालीन भारतीय खुफिया एजेंसियों के कहने पर हुई थी और बाद में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने उसे धन्यवाद भी दिया था।

बानू मुश्ताक ही करेंगी मैसूरु दशहरा उत्सव का उद्घाटन, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

याचिकाकर्ताओं का कहना था कि गैर-हिंदू को परंपरागत पूजा-अर्चना का अधिकार देना अनुचित

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने इस वर्ष मैसूरु दशहरा के उद्घाटन के लिए बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को आमंत्रित करने के कर्नाटक सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। इस मामले में याचिकाकर्ताओं का कहना था कि गैर-हिंदू को परंपरागत पूजा-अर्चना का अधिकार देना अनुचित है। बता दें कि कर्नाटक हाईकोर्ट ने पहले ही इस मामले को खारिज कर दिया था। सप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में याचिकाकर्ताओं ने कहा था कि दशहरा 22 सितंबर से शुरू हो रहा है, इसलिए मामले की तुरंत सुनवाई जरूरी है। उनका तर्क है कि एक गैर-हिंदू द्वारा अग्रेश्वरी पूजा करना धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। जिसके बाद

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की थी।

दलील सुनते ही खारिज कर दी याचिका : शुक्रवार को न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने संक्षिप्त सुनवाई के बाद मामले को खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पीबी सुरेश ने दलील दी कि किसी गैर-हिंदू व्यक्ति को पूजा करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। इस पर न्यायमूर्ति नाथ ने फैसला सुनाया...खारिज।

इसके बाद सुरेश ने दलील दी कि मंदिर के अंदर पूजा करना धर्मनिरपेक्ष कृत्य नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा, यह पूरी तरह से राजनीतिक है... कोई कारण नहीं कि उन्हें धार्मिक गतिविधि के लिए मंदिर के अंदर लाया जाए। उनकी दलील पर न्यायमूर्ति नाथ ने फिर दोहराया...बर्खास्त। वरिष्ठ वकील ने बिना किसी हिचकिचाहट के आगे आरोप लगाया कि आमंत्रित व्यक्ति ने अतीत में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं। वकील ने आगे कहा कि ऐसे व्यक्ति को आमंत्रित नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति नाथ ने फिर दोहराया कि मामला खारिज कर दिया गया है। न्यायमूर्ति नाथ ने टिप्पणी करते हुए कहा, हमने तीन बार बर्खास्त कहा है।

हाईकोर्ट ने किया था याचिकाओं को खारिज

15 सितंबर को कर्नाटक हाईकोर्ट ने इस मामले पर दायर चार जनहित याचिकाओं को खारिज कर दिया था। इनमें से एक याचिका भाजपा के पूर्व सांसद प्रताप सिंघा ने दायर की थी। अदालत ने साफ कहा था कि किसी अलग धर्म के व्यक्ति द्वारा राज्य सरकार की ओर से आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करना संविधान या किसी कानूनी प्रावधान का उल्लंघन नहीं है। तीन सितंबर को मैसूरु जिला प्रशासन ने औपचारिक रूप से मुश्ताक को उद्घाटन का आमंत्रण दिया था। इसके बाद भाजपा और अन्य विरोधी समूहों ने कड़ा एतराज जताया। उनका कहना है कि मुश्ताक ने पहले भी ऐसे बयान दिए हैं जिन्हें हिंदू विरोधी और कन्नड़ विरोधी माना गया है।

नाबालिग के निजी अंगों को छूना यौन हमला नहीं; सुप्रीम कोर्ट ने यौन उत्पीड़न मामले में सजा घटाई

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नाबालिग लड़की के निजी अंगों को सिर्फ छूने के आरोप पर किसी व्यक्ति को दुष्कर्म एवं पेनेट्रेटिव सेक्सुअल असॉल्ट का दोषी नहीं ठहराया जा सकता। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अपीलकर्ता लक्ष्मण जांगड़े की दोषसिद्धि को संशोधित किया और सजा बीस साल के कठोर कारावास से घटाकर सात साल कर दी। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के 2024 के फैसले के खिलाफ अपील पर विचार करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि सीधा आरोप पीड़िता के निजी अंगों को छूने का था। अपीलकर्ता ने अपने निजी अंगों को भी छुआ था। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले की पुष्टि की थी। पीठ ने कहा, हम पाते हैं कि आईपीसी की धारा 376 एबी और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा 6 के तहत दर्ज दोषसिद्धि बरकरार नहीं रह सकती। शीर्ष अदालत ने कहा, ट्रायल कोर्ट के निष्कर्ष और हाईकोर्ट की ओर से बरकरार रखी गई यह धारणा कि 'पेनेट्रेटिव सेक्सुअल असॉल्ट' हुआ था, इससे कायम नहीं रह सकती कि न तो मेडिकल रिपोर्ट, न ही पीड़िता के तीन अलग-अलग मौकों पर दिए बयान और न ही पीड़िता की मां के बयान इसका समर्थन करते हैं। अपीलकर्ता को बीस साल के कठोर कारावास और 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई थी। लड़की के बयानों का हवाला देते हुए अपीलकर्ता के वकील का तर्क था, पीड़िता के साथ असल में दुष्कर्म नहीं हुआ क्योंकि पेनेट्रेशन नहीं हुआ था। उन्होंने कहा, पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 भी लागू नहीं होगी क्योंकि पेनेट्रेटिव सेक्सुअल असॉल्ट नहीं हुआ था।

उत्तराखंड में 16 घंटे बाद मलबे से जिंदा निकला शख्स

नई दिल्ली/देहरादून/शिमला, एजेंसी। उत्तराखंड के चमोली जिले के नंदनगर में 18 सितंबर की रात बादल फटा था। इसके बाद से 14 लोग लापता थे। कुछ लोग मलबे में दब गए थे। घटना के 16 घंटे बाद एक शख्स को मलबे से जिंदा रेस्क्यू किया गया। यहां पर 200 लोग प्रभावित हुए हैं। 35 से ज्यादा मकान क्षतिग्रस्त हैं।देहरादून-मसूरी रोड अभी भी क्षतिग्रस्त है। मसूरी में मौजूद 2 हजार के करीब टूरिस्ट्स सेफ हैं। इधर, उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में रिहंद बांध इस साल पांचवीं बार ओवरफ्लो हुआ। कौशांबी में बिजली गिरने से 2 महिलाओं की मौत हुई।

वहीं, हिमाचल प्रदेश के किन्नौर के थाच गांव में गुरुवार देर रात

हिमाचल के किन्नौर में बादल फटा-लैंडस्लाइड; म.प्र. में सामान्य से 187.96 एमएम ज्यादा बारिश

बादल फटा। बाढ़ में दो गाड़ियां बह गईं। लोग रात में ही घरों से भागकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचे। वहीं, शिमला के एडवर्ड स्कूल के पास भी रात में लैंडस्लाइड हुई।

शिमला की लाइफ लाइन कहे जाने वाली सर्कुलर रोड बंद है। एडवर्ड स्कूल की आज और कल की छुट्टी की गई है। कुमारसैन की करेवथी में भी तीन मंजिला मकान धंसा गया। राज्य में बाढ़-बारिश से अब तक 424 लोगों की मौत हो चुकी है।

मध्य प्रदेश में इस मानसून सीजन औसत 1097.28mm बारिश हो चुकी है, जो सामान्य बारिश से 187.96mm ज्यादा है। गुना में सबसे ज्यादा 1651mm बारिश हुई। जबकि खरगोन में सबसे कम 665.48mm बारिश हुई।

हिमाचल : इस मानसून सीजन 46% ज्यादा बारिश : हिमाचल प्रदेश में इस मानसून सीजन 1 जून से 18 सितंबर के बीच 1019.4mm बारिश हो चुकी है। जो सामान्य तौर पर 698.3mm होती थी। यानी 46% ज्यादा बारिश हुई है। सबसे ज्यादा 1901.2mm बारिश मंडी जिले में हुई।

हैदराबाद में तेज बारिश, घरों में घुसा पानी : हैदराबाद में गुरुवार को हुई तेज बारिश के कारण शहर भर सड़कों में पानी भरा हुआ है। निचले इलाके में मौजूद घरों में भी बारिश का पानी भर गया है।

मध्य प्रदेश : राजस्थान-गुजरात से लौटने लगा मानसून : पश्चिमी राजस्थान से मानसून की वापसी होने लगी है।वहीं, गुजरात, पंजाब और हरियाणा के कई जिलों से भी मानसून लौटा है। गुरुवार को भी कई जिलों से मानसून लौट गया। यदि वापसी ही यही रफ्तार रही तो एमपी के भी कई जिलों में ऐसी स्थिति बन सकती है। बता दें कि मध्यप्रदेश में 16 जून को मानसून ने आमद दी थी। तब से अब तक औसत 43.2 इंच बारिश हो चुकी है। अब तक 35.8 इंच पानी गिरना था। इस हिसाब से 7.4 इंच पानी ज्यादा गिर चुका है। प्रदेश की सामान्य बारिश औसत 37 इंच है। यह कोटा पिछले सप्ताह ही पूरा हो गया है।

दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद हिस्ट्रीशीटर गुड्डू को किया गिरफ्तार, दुष्कर्म मामले था वांछित

नई दिल्ली, एजेंसी दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ में एक कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान गुड्डू के रूप में हुई है। वह शालीमार बाग बलात्कार मामले में वांछित था। उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। जानकारी के मुताबिक, 18 सितंबर को पुलिस को गुड्डू के बारे में सूचना मिली थी। जिसके बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने रात लगभग 1:00 बजे मुनक नहर के किनारे कूड़ा खट्टा, एयू ब्लॉक के पास जाल बिछाया। इस दौरान वहां से एक संदिग्ध शख्स आते हुए देखा गया। मुखबिर द्वारा गुड्डू के रूप में पहचाने जाने पर पुलिस ने उसे आत्मसमर्पण करने को कहा। लेकिन आरोपी ने भागने की कोशिश की उसने एक देसी पिस्तौल निकाली और जान से मारने की नीयत से गोली चला दी, जो एक पुलिसकर्मी की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने पहले हवा में गोली चलाई और लेकिन आरोपी नहीं रुका। मुठभेड़ में गोली गुड्डू के दाहिने पैर में लगी, जिससे वह गिर पड़ा। उसका हथियार मौके पर ही बरामद कर लिया गया। घायल आरोपी को तुरंत इलाज के लिए बीजेआरएम अस्पताल ले जाया गया।

सेवा पखवाड़ा : 75 राजदूतों और उच्चायुक्तों ने अपनी मां के नाम पर लगाए पौधे

- दिल्ली सरकार का रिज इलाके में आयोजन

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में रह रहे दुनियाभर के विभिन्न देशों के 75 राजदूतों, उच्चायुक्तों ने अपनी मां के नाम पौधे लगाए। विदेशी मेहमान भारत की राजधानी में अपनी मां के नाम की ये अनोखी याद सहेजते हुए ये भावुक दिखे। पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत दिल्ली सरकार ने रिज क्षेत्र में ये पौधरोपण कार्यक्रम किया।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसका नेतृत्व किया, साथ में दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा भी मौजूद रहे। रिज क्षेत्र में पीबीजी ग्राउंड के भीतर एक पेड़ मां के नाम 2.0 वैश्विक पौधरोपण अभियान आयोजित हुआ। इसमें 72 से अधिक देशों के 75 से ज्यादा राजदूतों, उच्चायुक्तों और हेड्स ऑफ मिशन ने हिस्सा लिया।

बहरीन, भूटान, चीन, रूस, ओमान, स्पेन, ऑस्ट्रिया, ब्राजील, जमैका, फीजी, पापुआ न्यू गिनी समेत एशिया, अफ्रीका, यूरोप, अमेरिका और ओशिआनिया के कई देशों के राजनयिकों और उनके परिवार के सदस्यों ने हिस्सा लिया। हरएक विदेशी मेहमान ने अपनी मां के नाम पर पौधा लगाया। हर पौधे के साथ नाम पट्टिका लगी, जिसमें राजनयिक का नाम, उनकी मां का नाम और पौधे की प्रजातियां लिखी हुई हैं।

पौधे लगाते हुए भावुक पल सामने आए: कार्यक्रम के दौरान कई भावुक पल भी सामने आए। कैमरून की राजदूत अपनी दिवंगत मां को याद करके रो पड़ीं और मुख्यमंत्री ने उनको गले लगाया। 15 दिन पहले ही उनकी मां की मृत्यु हो गई थी। इसमें खाड़ी देशों के राजनयिकों ने खास रुचि दिखाई। ओमान के राजदूत इस्सा सालेह अलशिबानी ने इस अभियान के लिए धन्यवाद दिया।

विस परिसर में एक पेड़ मां के नाम पौधे लगाए: विधानसभा परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत बृहस्पतिवार को पौधे लगाए गए। पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन के मौके पर आयोजित सेवा पखवाड़े में विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट व विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने पौधे लगाए। इस दौरान विधानसभा परिसर में हरित क्षेत्र 20 फीसदी बढ़ाने की घोषणा की गई। दिल्ली विधानसभा को हराभरा, सुंदर और प्रेरणादायक स्थान बनाकर इसका संदेश दिल्लीवासियों तक ले जाएंगे।

धरती को बचाना सबकी जिम्मेदारी- भूपेंद्र यादव : केंद्रीय मंत्री ने कहा कि धरती को बचाना सबकी जिम्मेदारी है। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी की एक पेड़ मां के नाम की अपील ने सबको ये एहसास कराया। कई राजनयिक अपनी मां को याद करके भावुक हो गए। उन्होंने बताया कि सेवा पखवाड़े में 25 सितंबर को पूरे देश में 7.5 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे।

दिल्ली का ग्रीन कवर 25 फीसदी बढ़ा : रेखा गुप्ता : मुख्यमंत्री ने कहा, दिल्ली का ग्रीन कवर 25 फीसदी बढ़ा है, देश में सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता हानि और वायु प्रदूषण की चुनौतियां किसी सीमा को नहीं मानतीं, इसलिए हमें वैश्विक स्तर पर साथ मिलाकर काम करना होगा। दिल्ली में ये कार्यक्रम इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा।

पीएम मोदी के वैश्विक नेतृत्व का सबूत- सिरसा : पर्यावरण मंत्री ने कहा, 72 से ज्यादा देशों के राजनयिकों ने पौधे लगाए। यह पीएम मोदी के वैश्विक नेतृत्व का सबूत है और सभी भारतीयों के लिए गर्व का पल है।

भगौड़े ललित मोदी का भाई समीर दुष्कर्म केस में गिरफ्तार, दिल्ली पुलिस ने एयरपोर्ट से पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण-पूर्व जिले की न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी(एनएफसी) थाना पुलिस ने भगोड़े ललित मोदी के कारोबारी भाई समीर मोदी को दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट से बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के समय आरोपी विदेश से दिल्ली लौटा था। उस पर एक युवती ने दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। एनएफसी पुलिस ने आरोपी को बृहस्पतिवार को साकेत कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

दक्षिण-पूर्व जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने समीर मोदी को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार करने की पुष्टि की है। इस मामले में दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस ने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दुष्कर्म का यह मामला उनकी पूर्व लिव-इन पार्टनर द्वारा पहले दर्ज कराई गई शिकायत से संबंधित है। मामला दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था।

समीर मोदी मोदी एंटरप्राइजेज के कार्यकारी निदेशक हैं। इसके साथ ही वह गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया के कार्यकारी निदेशक और इंडोफिल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के निदेशक हैं।

55 साल के समीर मोदी ने 1992 में अमेरिका में फिलिप मॉरिस के साथ ट्रेनी के तौर पर काम शुरू किया। इसके बाद वो फैमली बिजनेस से जुड़ गए। उन्होंने 1996 में मोदीकेयर लॉन्च किया। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि इस केस में शिकायतकर्ता महिला ने मामले को सेटल करने के लिए 50 करोड़ रुपए की मांग की थी। फिलहाल पुलिस की ओर से कोई विस्तृत बयान सामने नहीं आया है और जांच अभी जारी है।

समीर मोदी लंबे समय से विभिन्न कानूनी और कारोबारी विवादों में घिरे रहे हैं। पिता केके मोदी की 11,000 करोड़ की संपत्ति को लेकर विवाद रहा है। समीर मोदी, उनकी मां बीना मोदी और भाई-बहनों के बीच यह कानूनी लड़ाई कई साल से चल रही है। वर्ष 2024 में समीर मोदी ने दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी मां के पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (पीएसओ) ने गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया की बोर्ड मीटिंग के दौरान उन पर हमला किया। फिलहाल गिरफ्तारी पर दिल्ली पुलिस की ओर से कोई बयान जारी नहीं हुआ है। रेप केस में जांच आगे बढ़ रही है और पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर ही कार्रवाई की जाएगी।

दुष्कर्म... चोरी या फिर कुछ और : तीसरी मंजिल से गिरी घरेलू सहायिका

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज इलाके में बुधवार शाम एक घरेलू सहायिका तीसरी मंजिल से नीचे गिर गई। गंभीर हालत में आशा (18) को एलबीएस अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर होने पर जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया। अस्पताल में उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

आशा के परिजनों ने उसकी मालकिन पर गंभीर आरोप लगाकर उसे जानबूझकर नीचे फेंकने का इल्जाम लगाया है। बृहस्पतिवार दोपहर गुस्साए परिजनों ने पटपड़गंज स्थित वरदान सोसाइटी के बाहर प्रदर्शन किया। भीड़ सोसाइटी के अंदर दाखिल होने का प्रयास कर रही थी। कई थानों की पुलिस मौके पर भेजी गई। बाद में उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर परिजनों को वापस भेजा गया।

दरअसल कुछ लोगों ने अफवाह उड़ा दी थी कि आशा के साथ कुछ गलत करने के बाद उसे नीचे फेंक दिया गया है। वहीं जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि बुधवार को आशा की मालकिन ने उसे तीन हजार रुपये चोरी करते हुए पकड़ लिया था। डांटने पर आशा भागती हुई रसोई में गई और छोटी खिड़की से छलांग लगा दी। वारदात के समय घर में चार महिलाएं मौजूद थीं। पुलिस ने सभी के बयान लिए हैं। क्राइम टीम व एफएसएल की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। सीसीटीवी कैमरों की मदद से पड़ताल की जा रही है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों के अलावा प्रत्यक्षदर्शियों की तलाश कर रही है। कार के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर आरोपी की पहचान कर ली गई है, जल्द ही उसे दबोच लिया जाएगा।

पुलिस के मुताबिक, आशा परिवार के साथ गली नंबर-6, अल्लाह कॉलोनी, मंडावली में रहती थी। परिवार में मां देवकी रजक, शादीशुदा बहन रानी के अलावा एक भाई सोनू है। आशा पिछले करीब एक साल से पटपड़गंज के वरदान अपार्टमेंट में श्वेता करनानी (49) के यहां सुबह से शाम तक घरेलू सहायिका काम करती थी। श्वेता का तीसरी मंजिल पर फ्लैट है। बुधवार शाम करीब साढ़े चार बजे अचानक आशा तीसरी मंजिल से नीचे गिर गई। फिलहाल वह बयान देने की हालत में नहीं है। पुलिस उसके होश में आने का इंतजार कर रही है। आशा का बयान लेने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। आशा के शरीर पर और जगह चोट का कोई निशान नहीं मिला है। श्वेता और उनके पति अशोक करनानी से भी पुलिस पूछताछ कर रही है।

दुष्कर्म की अफवाह फैलने पर भड़के लोग: आशा के मामा मोहन ने आरोप लगाया कि खबर मिली थी कि उनकी भांजी के साथ गलत काम करने के बाद उसे छत से नीचे फेंका गया है। उस पर चोरी का भी झूठा आरोप लगाया है। उनकी भांजी चोरी नहीं कर सकती है। बृहस्पतिवार सुबह जब अल्लाह कॉलोनी के लोगों को गलत होने का पता चला तो वह दोपहर के समय वरदान अपार्टमेंट के बाहर इकट्ठा हो गए। इन लोगों का आरोप था कि पुलिस भी उनकी सुनवाई नहीं कर रही है। मामले को 24 घंटे बीतने को हैं लेकिन पुलिस ने कोई मामला दर्ज नहीं किया है।

चोरी करते हुए घरेलू सहायिका पकड़ी गई थी, मालकिन ने डांटा तो वह तीसरी मंजिल के किचन से कूद गई, उसकी हालत नाजुक है। बयान होने पर ही असली बात का पता चल पाएगा। क्राइम टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। -अभिषेक धानिया, पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त

एनएच-24 पर कार ने स्कूटी सवार को मारी टक्कर गाड़ी सहित फ्लाईओवर से नीचे गिरा शख्स, मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के पांडव नगर इलाके में एनएच-24 फ्लाईओवर पर बुधवार देर रात स्कूटी से घर लौट रहे एक शख्स को तेज रफ्तार होंडा सिटी कार ने टक्कर मार दी। हादसे के दौरान स्कूटी सवार उछलकर फ्लाईओवर से नीचे गिर गया। फ्लाईओवर के नीचे से गुजर रहे एक ऑटो चालक ने राहगीरों की मदद से पीड़ित को एलबीएस अस्पताल पहुंचाया। वहां राकेश कुमार अग्रवाल (49) को मृत घोषित कर दिया गया। हादसे के बाद आरोपी मौके पर अपनी कार छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कार व स्कूटी कब्जे में लेकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से हादसे की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक राकेश कुमार अग्रवाल अपने परिवार के साथ वसंधुरा सेक्टर-11, इंदिरापुरम, गाजियाबाद में रहते थे। इनके परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटियां हैं। राकेश का अपना कारोबार था। बुधवार रात को वह किसी काम से दक्षिण दिल्ली गए थे। वहां से काले खां होते हुए वह एनएच-24 पर पहुंच गए।

अक्षरधाम से आगे बढ़ने के बाद जैसे ही वह एनएच-24 के मंगलम कट पर पहुंचे तो पीछे से आ रही दिल्ली नंबर की एक होंडा सिटी ने उनकी स्कूटी को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में फ्लाईओवर के किनारे चल रहे राकेश स्कूटी से उछलकर नीचे जा गिरे। आरोपी ने भी अपनी कार रोक दी। उसे लगा कि बड़ा हादसा हो गया है तो वह मौके से भाग गया। इस बीच एनएच-24 पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई और वहां जाम लग गया। जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि ऑटो चालक अमित कुमार राहगीरों की मदद से राकेश को अस्पताल ले गए, जहां उनको मृत घोषित कर दिया गया। घटना स्थल पर राकेश की स्कूटी और आरोपी कार बरामद हो गई। मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही है। बृहस्पतिवार को पुलिस ने एलबीएस अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर मृतक का शव परिजनों के हवाले कर दिया है।

युवक ने फंदा लगाकर दी जान, नहीं मिला कोई सुसाइड नोट

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी इलाके में युवक ने फंदा लगाकर जान दे दी। मृतक की शिनाख्त विजय (24) के रूप में हुई है। बुधवार सुबह शव उसके कमरे में पंखे से लटका मिला। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। फिलहाल पुलिस को मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया है। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। परिजनों ने पुलिस को बताया है कि आरोपी पहले भी कई बार आत्महत्या का प्रयास कर चुका था। परिजनों ने इस संबंध में पहले पुलिस को शिकायत भी दी थी। पुलिस के मुताबिक विजय परिवार के साथ नंद नगरी, पुराने थाने के पास रहता था। परिवार में पिता किताब सिंह, मां किशोरी देवी, दो भाई और तीन बहनें हैं। बुधवार सुबह परिजन सोकर उठे तो देखा कि विजय फंदे से लटका हुआ है। विजय की मां किशोरी देवी ने बताया कि वह इलाके में हलवाई का काम करता था।

ट्रंप से हार बर्दाश्त नहीं कर पाईं थीं कमला हैरिस, अपनी किताब में किए कई चौंकाने वाले खुलासे

वॉशिंगटन, एजेंसी। इन दिनों कमला हैरिस की लिखी किताब की खूब चर्चा है, जिसमें राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान और कमला हैरिस के निजी जीवन को लेकर कई अहम खुलासे किए गए हैं। कमला हैरिस ने अपनी किताब 107 डेज में बताया है कि जब राष्ट्रपति चुनाव में उन्हें ट्रंप के सामने अपनी हार के बारे में पता चला तो उन्हें इस पर यकीन नहीं हुआ और लगा कि जैसे सब कुछ खत्म हो गया। कमला हैरिस ने किताब में लिखा है, मैं मुश्किल से सांस ले पा रही थी। हैरिस ने लिखा मैं मन ही मन पूछती रही, हे भगवान, हे भगवान, हमारे देश का क्या होगा?

जो बाइडन थक गए थे : जो बाइडन के राष्ट्रपति चुनाव की रेस से हटने के बाद कमला हैरिस ने कमान संभाली और इसी मुद्दे पर यह किताब लिखी गई है। कमला हैरिस ने बताया कि उन्हें जो बाइडन की क्षमता पर कोई शक नहीं था, लेकिन 81 साल की उम्र में बाइडन थक गए थे। बाइडन के बोलने में लड़खड़ाहट से यह पता चलता था। जब ट्रंप और बाइडन के बीच बहस हुई और उस बहस में बाइडन जिस तरह से थके हुए लग रहे थे, मैं तभी समझ गई थी कि बाइडन ठीक नहीं थे। कमला हैरिस ने बाइडन के साथ अपनी साझेदारी के बारे में अच्छी बातें लिखीं, लेकिन ऐसे भी पल आए, जब दोनों के बीच चीजें सही नहीं हुईं। जब बाइडन को राष्ट्रपति पद की रेस से हटाने की बात चल रही थी तो कमला हैरिस ने बताया कि उस वक्त जो बाइडन की पत्नी ने उनसे पूछा था कि क्या वे हमारे साथ हैं? कमला हैरिस ने कहा कि वे शायद पूछना चाहती थीं कि क्या हम वफादार हैं?

अपनी खामियां स्वीकारी : कमला हैरिस ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान जब वे द व्यू टॉक शो में शामिल हुई थी तो वह उनकी गलती थी। कमला हैरिस ने कहा कि इंटरव्यू के दौरान मेजबान ने उनसे सवाल किया कि पिछले चार वर्षों में उन्होंने बाइडन से अलग क्या करतीं तो हैरिस निशब्द हो गई और उन्हें कोई जवाब नहीं सूझा। हैरिस ने लिखा कि वह पल था, जिससे हमें लगा कि हमने ट्रंप के चुनाव अभियान टीम को हमें घेरने का मौका दे दिया है। हैरिस ने लिखा कि उस इंटरव्यू में मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था।

ब्रिटिश खुफिया प्रमुख का यूक्रेन युद्ध को लेकर दावा- पुतिन शांति वार्ता के इच्छुक नहीं, बहला रहे हैं

इस्तांबुल, एजेंसी। ब्रिटेन की गुप्तचर एजेंसी एमआई6 के प्रमुख सर रिचर्ड मूर ने शुक्रवार को कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में शांति स्थापित करने के लिए बातचीत करना चाहते हैं, ऐसा कोई सबूत उन्हें नहीं मिला है। सर रिचर्ड मूर पिछले पांच वर्षों से एमआई6 के प्रमुख हैं और सितंबर के अंत में वह अपना पद छोड़ रहे हैं। मूर ने इस्तांबुल स्थित ब्रिटिश वाणिज्य दूतावास में अपने विदाई भाषण के दौरान कहा, इस बात का बिल्कुल भी कोई प्रमाण नहीं है कि पुतिन शांति वार्ता करना चाहते हैं। वे हमें सिर्फ बहलाने-फुसलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पुतिन हर संभव साधन का उपयोग करके अपनी साम्राज्यवादी इच्छाशक्ति थोपना चाहते हैं, लेकिन वह इसमें सफल नहीं हो सकते। सीधे शब्दों में कहें तो पुतिन ने अपनी क्षमता से ज्यादा काम ले लिया है।

जैश के बाद अब लश्कर के आतंकी ने खोली पाकिस्तान की पोल, ऑपरेशन सिंदूर में हुई तबाही को कबूला

इस्लामाबाद, एजेंसी। जैश के बाद लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर कासिम ने पाकिस्तान की पोल खोल दी है। लश्कर कमांडर कासिम ने माना कि सात मई सुबह किए गए हमले में मुरिदके स्थित लश्कर मरकज को तबाह कर दिया गया था। उसने यह भी कहा कि इस आतंकी शिविर का पुनर्निर्माण हो रहा है। हालांकि पाकिस्तान भारतीय सेना की कार्रवाई में हुए नुकसान को नकारता रहा है। कासिम ने कैमरे के सामने खड़े होकर इस सच को कबूल किया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में लश्कर कमांडर कासिम कहता नजर आ रहा है कि मैं मुरिदके में मरकज तैयबा के खंडहरों पर खड़ा हूं, जो भारतीय हमले में नष्ट हो गया था। इसके पुनर्निर्माण का काम चल रहा है। यह मस्जिद पहले से भी बड़ी बनाई जाएगी।

आतंकी ने दिखाए तबाही के निशान : वायरल हो रहे वीडियो में कासिम एक

निर्माणाधीन जगह के पास खड़ा दिखाई दे रहा है। जिसमें वह कह रहा है, मैं मुरिदके में मरकज तैयबा के खंडहरों पर खड़ा हूं, जो हमले में नष्ट हो गया था। इसके पुनर्निर्माण का काम चल रहा है। कासिम आगे यह भी कबूल करता है कि इस मस्जिद में कई मुजाहिदीन और तलबाने प्रशिक्षण हासिल किया और विजय हासिल की। मुरिदके, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के शेखूपुरा जिले में स्थित एक शहर है। वीडियो में कासिम एक अधूरे निर्माण स्थल के सामने खड़ा दिख रहा है और कहता दिख रहा है, मैं मुरिदके में मरकज तैयबा के खंडहरों पर खड़ा हूं, जिसे (भारत के) हमले में नष्ट कर दिया गया था। अब इसका फिर से निर्माण हो रहा है। अल्लाह की रहमत से यह मस्जिद पहले से बड़ी बनेगी। कासिम ने यह भी कबूला कि इस नष्ट की गई मरकज तैयबा मस्जिद में कई आतंकियों को प्रशिक्षण दिया गया था, जिनमें मुजाहिद और तलबा (छात्र) शामिल थे और वे यहां से फतह (जीत) के लिए निकले।और शराब पीने का आदी था। विजय परिजनों से शराब पीने के लिए पैसे मांगता था। इसकी वजह से आए दिन उसका झगड़ा होता था। विजय ने कई बार आत्महत्या का प्रयास किया। एक बार तो उसने अपने हाथ की नसें भी काट ली थीं।

खुल गई पाकिस्तान सरकार की पोल : पाकिस्तान की सरकार ने दावा किया था कि जिस इमारत को नष्ट किया गया, वह अब आतंकियों के लिए इस्तेमाल नहीं होती थी। एक और वीडियो में लश्कर के इस आतंकी ने पाकिस्तान के युवाओं से अपील की कि वे मुरिदके में मरकज तैयबा में होने वाले दौरा-ए-सुफ्फा नाम के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हों। दौरा-ए-सुफ्फा एक आतंकी प्रशिक्षण कार्यक्रम है जिसमें धार्मिक सोच के साथ-साथ बुनियादी आतंकवादी प्रशिक्षण दिया जाता है। इसे जिहादी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी कहा जाता है। उन्हें लगा था कि उन्हें आसानी से जीत मिल जाएगी। लेकिन उन्होंने और कई अन्य लोगों ने यूक्रेनियों को कम करके आंका है। लश्कर का यह मुरिदके वाला शिविर उन नौ आतंकी ठिकानों में शामिल था, जिन्हें भारतीय सेना ने सात मई की रात को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में की गई एक बड़ी कार्रवाई में तबाह कर दिया था। ऑपरेशन सिंदूर के तहत सेना ने जैश-ए-मोहम्मद के बहावलपुर, हिज्बुल मुजाहिदीन के सियालकोट और लश्कर के बारनाला और मुजफ्फराबाद जैसे कई शिविरों को भी निशाना बनाया। एक अन्य वायरल वीडियो में लश्कर-ए-तैयबा का उप प्रमुख सैफुल्लाह कसूरी यह दावा करता नजर आया कि पाकिस्तान की सरकार और सेना ने मुरिदके में आतंकियों के इस मुख्यालय को दोबारा बनाने के लिए पैसा दिया है। ग्रीन एरिया में ही ट्रंप गोल्फ खेलने वाले थे। श्नेले ने कहा कि कोई भी सक्षम निशानेबाज आसानी से अपने लक्ष्य को भेद सकता था, लेकिन घटनास्थल से बरामद दूरबीन ने निशाना साधना और भी आसान बना दिया होगा। बता दें कि रयान राउथ को ट्रंप के गोल्फ कोर्स से पकड़ा गया था, उस पर ट्रंप पर हमले की साजिश रचने का आरोप है। राउथ के खिलाफ था।

सीधी-सिंगरौली हाईवे हादसे में चौथी मौत, 2 का इलाज जारी

रीवा जिला अस्पताल में इलाज के दौरान तोड़ा दम, सीएम के कार्यक्रम स्थल पर खड़े ट्रक में घुसी थी बोलेरो

मीडिया ऑडीटर, रीवा/ सीधी/ सिंगरौली (निप्र)। सीधी-सिंगरौली नेशनल हाईवे 39 पर गुरुवार शाम तेज रफ्तार बोलेरो गाड़ी मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल के बाहर सड़क किनारे खड़े टेंट से लदे ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। शुरुआत में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, तीसरे की मौत जिला अस्पताल सीधी में हुई और चौथे घायल ने शुक्रवार को संजय गांधी अस्पताल रीवा में दम तोड़ दिया। अब मृतकों की संख्या चार तक पहुंच गई है, जबकि दो घायलों का इलाज रीवा में जारी है।

मृतक और घायलों के नाम: मृतकों में धर्मेंद्र जायसवाल (24 वर्ष), गीता उर्फ आदित्य (55 वर्ष), प्रिंस जायसवाल (30 वर्ष) और एक अज्ञात शामिल हैं। वहीं बालकृष्ण प्रजापति (25 वर्ष) और अजय जायसवाल (22 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हैं और रीवा रेफर किए गए हैं। सभी ग्राम जेठुला निवासी बताए जा रहे हैं।

स्थानीय लोगों और परिजनों का आरोप है कि हादसे की वजह सड़क किनारे खड़ा ट्रक है। उसमें न तो रेडियम लाइट लगी थी और न ही कोई स्टॉपर लगाया गया था। अंधेरे में यह ट्रक दिखी नहीं और बोलेरो सीधे उससे टकरा गई।

कार्यक्रम स्थल पर ही खड़े थे अधिकारी: सीएम के कार्यक्रम के लिए सड़क पर ट्रक और टेंट सामग्री उतारने की ड्यूटी सैकड़ों कर्मचारियों को लगाई गई थी। सीधी कलेक्टर स्वरोचिस सोमवंशी, एसपी संतोष कोरी, सिहावल एसडीएम प्रिया पाठक, थाना प्रभारी बहरी राजेश पांडे, यातायात प्रभारी अभिषेक उपाध्याय, तहसीलदार बहरी इंद्रभान सिंह, नायब तहसीलदार जेपी पांडे, पटवारी विपिन मिश्रा, आरआई बैजनाथ पाठक और पटवारी जवाहर गुप्ता सहित अनेक अधिकारी-कर्मचारी मौके पर तैनात थे।

कांग्रेस बोली- सड़क पर उतार रहे थे टेंट: हादसे के बाद कांग्रेस ने भी बड़ा आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के लिए सड़क पर ही टेंट का सामान उतारा जा रहा था, जिससे यह दुर्घटना हुई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह लापरवाही सीधे तौर पर प्रशासन की जिम्मेदारी है।

परिजन बोले- ट्रक की लापरवाही से हुई मौत: मृतकों के परिजनों ने साफ कहा कि हादसे की वजह ट्रक की लापरवाही है। ट्रक अंधेरे में बिना सुरक्षा व्यवस्था के खड़ा था, जिसकी वजह से चार जिंदगियां खत्म हो गईं।

पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल के आरोप: जिला अस्पताल पहुंचे पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने भी प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मृतकों को अस्पताल लाकर उनकी ईसीजी की जा रही है और परिजनों के आने से पहले ही शव उठाए जा रहे हैं, जो बेहद असंवेदनशील और प्रोटोकॉल के खिलाफ है।

सीएम का सीधी दौरा रद्द: हादसे की खबर फैलते ही मुख्यमंत्री का सीधी दौरा तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया। सुरक्षा और प्रशासन की चूक पर अब विपक्ष लगातार हमलावर है।

कलेक्टर बोले- राहत राशि दी जाएगी: सीधी कलेक्टर स्वरोचिस सोमवंशी ने कहा कि मृतकों के परिजनों को सरकारी नियमों के अनुसार राहत राशि दी जाएगी। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि हादसे की जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी।

सड़क दुर्घटना पीड़ित परिवारों से प्रभारी मंत्री ने भेंट कर शोक संवेदना व्यक्त की

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल ने सड़क दुर्घटना में मृतकों के परिजनों से भेंट कर अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह दुर्घटना अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है, जिसने कई परिवारों को अपूरणीय क्षति पहुंचाई है।

जायसवाल ने शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार इस कठिन समय में उनके साथ खड़ी है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं शोकाकुल परिवारों को यह असीम दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। साथ ही उन्होंने दुर्घटना में घायल हुए व्यक्तियों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना की।

पीड़ित परिवारों के लिए सहायता: दुर्घटना में मृतक आदित्य प्रसाद जायसवाल (गीता) के निकटतम वारिस को कर्मकार पंजीयन के तहत 4,00,000 रूपये अनुग्रह सहायता एवं 6,000 रूपये अंत्येष्टि सहायता, मृतक राजकुमार जायसवाल (प्रिंस) के निकटतम वारिस को कर्मकार पंजीयन के तहत 4,00,000 रूपये अनुग्रह सहायता एवं 6,000 रूपये अंत्येष्टि सहायता तथा मृतक धर्मेंद्र जायसवाल के निकटतम वारिस को पिता का कर्मकार पंजीयन होने से 6,000 रूपये अंत्येष्टि सहायता स्वीकृत की गई है।

चलते इलेक्ट्रिक स्कूटर में लगी आग, दो अग्निशमन यंत्र से भी नहीं बुझी; स्कूटर जलकर खाक

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के बरगवां थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 39 पर चलते हुए एक इलेक्ट्रिक स्कूटर में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेज़ी से फैली कि देखते ही देखते पूरा स्कूटर जलकर खाक हो गया।

यह घटना गोदवाली इलाके में हुई। जिस जगह यह हादसा हुआ, उसके ठीक सामने एक पेट्रोल पंप था। पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने तुरंत दो अग्निशमन यंत्र से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी विकराल थी कि उसे काबू नहीं किया जा सका।

अभी तक स्कूटर के मालिक और कंपनी का पता नहीं चल पाया है। बरगवां थाना प्रभारी मोहम्मद समीर ने बताया कि उनके पास इस घटना की कोई लिखित शिकायत नहीं आई है। हालांकि किसी व्यक्ति ने फोन पर इसकी सूचना दी थी। जब तक पुलिस मौके पर पहुंचती, तब तक स्कूटर पूरी तरह से जल चुका था।

यह पहली बार नहीं है, जब बैटरी से चलने वाले स्कूटर में आग लगने की घटना सामने आई हो। इससे पहले भी देश के कई हिस्सों में इस तरह के हादसे हो चुके हैं। इस घटना का वीडियो किसी राहगीर ने बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया है, जो अब वायरल हो रहा है।

परिवहन विभाग रीवा ने ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट की बसों पर सघन जांच कर की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में परिवहन विभाग ने परिवहन आयुक्त महोदय के आदेशानुसार ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिटों पर चल रही अवैध बसों के खिलाफ एक बड़ा सघन जांच अभियान चलाया। इस अभियान में बसों पर परमिट, फिटनेस, बीमा और यात्री सूची की विशेष जांच की गई।

यात्रियों की सुविधा को देखते हुए, परिवहन स्टाफ ने फ़ास्टेड बॉक्स, स्पीड गवर्नर और व्हीएलटी डिवाइस की भी जांच की। जांच के दौरान तीन बसों पर परमिट शर्तों का उल्लंघन पाए जाने के कारण उन पर 30,000 रुपये का चालान अधिरोपित किया गया। यह कार्रवाई मोटर व्हीकल एक्ट 1988 के तहत की गई है।

परिवहन विभाग की यह कार्रवाई यात्रियों की सुरक्षा और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए की गई है। अवैध परमिट वाली बसें अक्सर दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं। इस कार्रवाई से सड़क परिवहन व्यवस्था अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनती है।

इस सघन जांच से अवैध रूप से चलने वाली ऑल इंडिया बसों में हड़कंप मचा हुआ है। परिवहन विभाग प्रदेश भर में अवैध संचालित वाहनों के खिलाफ विशेष प्रवर्तन जांच अभियान भी चलाएगा।

परिवहन आयुक्त मध्य प्रदेश ग्वालियर के निर्देशों के तहत, परिवहन विभाग 22 सितंबर 2025 से 2 सप्ताह तक एक विशेष प्रवर्तन अभियान चलाएगा। इस अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाना और मोटरयान अधिनियमों का पालन सुनिश्चित करना है।

समस्त जिलों में एक साथ वाहन चेकिंग की जाएगी, जिसमें वैध बीमा, बिना फिटनेस, बिना पीयूसी और बिना परमिट के चल रहे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, स्कूल बसों की चेकिंग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सभी अधिकारियों को प्रतिदिन की गई कार्रवाई की जानकारी परिवहन आयुक्त कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

मध्यांचल बैंक ने बदला नाम तो समस्याएं भी बढ़ी खातेदार हो रहे हैं परेशान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यांचल ग्रामीण बैंक जिसका नाम बदलकर अब मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक कर दिया गया है ऐसे बैंक के खातेदारों को अपने खाते से पैसा निकालने एवं पैसा जमा करने, चेक के माध्यम से पैसे के जमा भुगतान में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार बैंक के नाम परिवर्तन के कारण खाता नंबर एवं आईएफएससी कोड नंबर भी बदल दिया है। बैंक में खातों से संबंधित रिकार्ड संधारण का काम सुचारू रूप से नहीं हो पा रहा है। ऐसी स्थिति में बाहर से खाते में पैसा मांगने एवं पैसा से पैसा भेजने के मामले में बैंक के खातेदारों एवं हितग्राहियों को आए दिन बैंक का चक्कर लगाना पड़ रहा है। शाखा प्रबंधक की माने तो वे स्पष्ट रूप से नहीं कह सकते की व्यवस्था सुचारू रूप से चलने में अभी कितना समय और लग जाएगा।

चाकघाट के शाखा कार्यालय में आए दिन खातेदार चक्कर लगाते रहते हैं। न तो उनका कोई बैंकिंग काम हो पा रहा है और न ही शाखा प्रबंधक द्वारा उन्हें कोई संतोषजनक जवाब दिया जा रहा है। शाखा से चेक बुक भी नहीं दिया जा रहा है। बैंक में व्यवस्था संबंधित कोई परिवर्तन किया जाना है तो उसके लिए कोई निश्चित अवधि तय नहीं है कि कब तक यह व्यवस्था पटरी पर आ जाएगी। मध्यांचल ग्रामीण बैंक के पुराने खातेदारों को इस समय भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बैंक प्रबंधन से जुड़े उच्च अधिकारियों से आग्रह है कि बैंक खाता के संचालक को शीघ्र व्यवस्थित किया जाए तथा ग्राहकों को भारी असुविधा का सामना न करना पड़े जैसी व्यवस्था बनाई जाय।

खनिज और राजस्व विभाग का छापा, 8 लाख की अवैध रेत जब्त; भू-स्वामी पर केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के देवसर थाना क्षेत्र अंतर्गत सहुआर गांव में खनिज और राजस्व विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध रेत का स्टॉक जब्त किया है। जब्त की गई रेत की कीमत लगभग 8 लाख रुपये आंकी गई है। विभाग ने भू-स्वामी के खिलाफ अवैध भंडारण का मामला दर्ज किया है।

अधिकारियों के अनुसार, खनिज माफिया से जुड़े लोगों ने यहां लगभग 68 से 70 ट्रॉली रेत का अवैध भंडारण कर रखा था, जिसके लिए विभाग से कोई अनुमति नहीं ली गई थी। यह कार्रवाई अवैध रेत भंडारण की सूचना मिलने के बाद की गई।जिला खनिज अधिकारी आकांक्षा पटेल ने बताया कि उन्हें इस इलाके में अवैध रेत स्टॉक की जानकारी मिली थी।

इसके बाद माइनिंग इंस्पेक्टर के साथ राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची, जहां बड़ी मात्रा में अवैध रेत पाई गई।यह अवैध स्टॉक भू-स्वामी रामबहोर शुक्ला की जमीन पर पाया गया था। विभाग ने स्टॉक जब्त कर रामबहोर शुक्ला के खिलाफ अवैध रेत भंडारण का मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

हालांकि, रामबहोर शुक्ला का कहना है कि उनकी जमीन पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने रेत रखी है और इस अवैध रेत से उनका कोई संबंध नहीं है। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्होंने 16 सितंबर को जियावन पुलिस को इस बारे में सूचित किया था।फिलहाल, खनिज विभाग और राजस्व की टीम पूरे मामले की गहनता से पड़ताल कर रही है।

दो सीटर ऑटो में बैठ रहे 16 बच्चे, चौकी प्रभारी बोले- यातायात नियमों का किया उल्लंघन; चालकों पर होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र में यातायात नियमों के गंभीर उल्लंघन का मामला सामने आया है। ग्राम चकडौर में एक ऑटो वाहन (पंजीयन क्रमांक एमपी 53 आर 0596) में क्षमता से कई गुना अधिक बच्चे ले जाए जा रहे थे।

दो सवारी की अनुमति वाले इस ऑटो में 16 स्कूली छात्र-छात्राओं को ऊपर और नीचे ठूंस-ठूंसकर बैठाया गया था, जिससे उनकी जान खतरे में पड़ गई।यह घटना शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे की है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, यह कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि ऑटो चालक नियमित रूप से बच्चों को क्षमता से अधिक बैठाकर स्कूल ले जाते हैं।

ग्रामीण विनय पांडे ने बताया कि ऐसी लापरवाही के कारण पहले भी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। खड्डी चौकी प्रभारी नीरज साकेत ने बताया कि उन्हें इस घटना की जानकारी मीडिया के माध्यम से मिली है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि यातायात नियमों का उल्लंघन कर बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले ऑटो चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। क्षमता से अधिक बच्चों को वाहनों में ले जाना न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन है, बल्कि यह बच्चों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है। ऐसी घटनाएं किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल सख्त कार्रवाई करने और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी में सेवा पखवाड़ा अभियान अंतर्गत जैविक खेती जागरूकता कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक चल रहे सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. पी.के. सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय परिवार द्वारा गोद ग्राम नौगवा धीरसिंह में जैविक खेती जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि समाजसेवी इंद्रशरण सिंह चौहान ने जैविक खेती का महत्व बताते हुए कहा कि सीधी जिले की उपज महुआ के लड्डू विदेशों तक निर्यात होते हैं। ऐसे में किसानों को जैविक खाद का उपयोग कर परंपरागत खेती और सभ्यता का महत्व समझना चाहिए। विषय विशेषज्ञ डॉ. दिवाकर सिंह सहायक प्राध्यापक वनस्पति शास्त्र ने विस्तार से जैविक खाद के निर्माण, हरी खाद की उपयोगिता तथा परंपरागत खेती की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

भीटी से बरहदी पतौता पहुंच मार्ग हुआ बाधित, साइकिल से और पैदल चलना हुआ मुश्किल; जिम्मेदार खामोश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के गुढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत भीटी से पतौता बरहदी पहुंच मार्ग बारिश के कारण बाधित होने से ग्रामवासियों को आवागमन में बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन शासन-प्रशासन की ओर से इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सरकार और उनके मंत्री, विधायक और सांसद मंचों से बड़े-बड़े वादे करते हैं कि शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक सड़क का जाल बिछा दिया गया है, लेकिन धरातल पर स्थिति कुछ और ही है। भीटी मुख्य मार्ग से ग्राम पंचायत पतौता से बरहदी पहुंच मार्ग न होने के कारण लोगों को कीचड़ भरे रास्ते से गुजरने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

यह सड़क लगभग 4 किलोमीटर लंबी है, जहां से कई गांवों के लोगों का आना-जाना होता है। लेकिन जगह-जगह सड़क कट जाने से स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को रीवा और अस्पताल तक जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने कई बार ग्राम पंचायत, जिला सीईओ, विधायक और सांसद से शिकायत की, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया।

ग्रामीणों का कहना है कि इस ग्राम पंचायत की सड़कों की स्थिति बेहद खराब है। गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाने के लिए खाट का सहारा लेना पड़ता है, क्योंकि गांव तक एंबुलेंस नहीं पहुंच सकती। बीमार पड़ने पर अस्पताल नहीं जा पाने के कारण दो लोगों की मौत हो चुकी है, जो एक बड़ी समस्या है।

ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत सरपंच पर अनदेखी का आरोप लगाया है कि उनके द्वारा कोई जनहित का कार्य नहीं किया जा रहा है। महिलाओं ने कहा कि न तो विधायक सुनते हैं और न ही सांसद। देश को स्वतंत्र हुए 79 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन इस ग्राम पंचायत अंतर्गत आज तक सड़क का निर्माण नहीं हुआ है।

गुढ़ विधानसभा क्षेत्र से 5 बार से नागेंद्र सिंह विधायक हैं, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। विधायक द्वारा जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाते हैं और विकास कार्यों के लिए बजट स्वीकृत कराया जाता है, लेकिन यह बजट कहां जाता है, यह समझ से परे है।

जनजागरूकता, नि:शुल्क जांच और उपचार से रोग नियंत्रण की दिशा में सतत प्रयास

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्राम स्तर तक पहुंचकर आमजन को मच्छरों से होने वाली बीमारियों दृ मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया, फाइलेरिया एवं जापानीज इनसेफेलाइटिस दृ से बचाव, जाँच एवं उपचार की सुविधा निरंतर उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही जनजागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

जिला मलेरिया अधिकारी श्री हरिओम सिंह ने बताया कि मच्छरों की उत्पत्ति रोकने हेतु जिले के विभिन्न अस्थायी एवं स्थायी जलाशयों में लार्वाभक्षी गम्बूशिया मछलियाँ छोड़ी जा रही हैं। जनवरी 2025 से अब तक 1,27,955 बुखार रोगियों की रक्त जांच की गई, जिनमें से केवल 29 मलेरिया पॉजिटिव पाए गए। विगत वर्षों में मलेरिया रोगियों की संख्या में निरंतर कमी दर्ज हो रही है।

ग्राम स्तर पर तैनात आशा कार्यकर्ता बुखार रोगियों की रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट किट से नि:शुल्क जांच करती हैं और मलेरिया पॉजिटिव पाए जाने पर रोगियों को नि:शुल्क पूर्ण उपचार उपलब्ध कराती हैं। इस कार्य हेतु उन्हें शासन की गाइडलाइन अनुसार प्रोत्साहन राशि भी दी जाती है।

वर्ष 2025 में अब तक जिले में 13 डेंगू एवं 03 चिकुनगुनिया के मरीज मिले हैं। इन बीमारियों की जांच सुविधा शासकीय जिला चिकित्सालय, सीधी में एलाइजा विधि से नि:शुल्क उपलब्ध है।

आमजन को जागरूक करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा समय-समय पर सोशल मीडिया, माइकिंग, पम्पलेट वितरण, नुक्कड़ नाटक आदि माध्यमों से अभियान चलाए जा रहे हैं। जिला मलेरिया अधिकारी ने लोगों से अपील की है कि घरों के भीतर-बाहर पानी जमा न होने दें। कूलर, पानी की टंकी, ड्रम, फ्रिज की ट्रे आदि का पानी सप्ताह में एक बार अवश्य बदलें। आसपास गड्ढों, टायरों या टूटे सामान में पानी जमा न होने दें। जहां पानी की निकासी संभव न हो, वहां सप्ताह में एक बार मोबिआयल या जले हुए तेल का छिड़काव करें। विभागीय कर्मचारियों व आशा कार्यकर्ताओं द्वारा नियमित रूप से लार्वा सर्वे एवं विनष्टीकरण कार्य किया जा रहा है।

दफ्तरों से बाहर शिविरों में

संपादकीय

आपदा की समीक्षा यूं तो खुद के भीतर दर्द को शांत करना है, फिर भी यह अशांत माहौल की पहरेदारी में हर मौके पर हाजिर होने की गवाही है। पिछले तीन महीनों ने कई दफ्तरों को शिविरों में काम करते देखा, कई अधिकारी जेसीबी के सहारे पानी में उतर गए, तो कई पैदल रास्तों पर दुख के मजमून खोजते रहे। चर्चाओं में मंडी के जिलाधीश अपने कर्म को नापते रहे, तो जनता के निष्पक्ष विवेचन की तालियां उन्हें मिलीं। आपदाग्रस्त प्रदेश ने कई बिखराव, कई समझौते और आंसू पौंछते कई हाथ देखे, तो प्रदेश का आत्मविश्वास जख्मों पर मरहम पट्टी करने लगता है। शिमला की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री निर्देश दे रहे हैं, तो रणनीतिक तौर पर यह प्रदेश खुद को खुद ही दुरुस्त करता है। भरमौर में मणिमहेश की यात्रा में आपदा का आगमन, इस बार हमारी नसों को टटोल गया, लेकिन यह दौर भी निकल गया। एक मुश्किल भौगोलिक परिस्थितियों का सामना करती हिमाचल की वेदना ने सिखाया कि तिनके बटोर कर फिर जिंदगी की छत बनती है और जिस तीव्रता से भरमौर से निकली सडक़ ने राहत का अस्तित्व बना लिया, यह काबिले तारीफ है। कहते हैं ढहते को संवारना आ जाए, तो बार-बार गिरकर बुलंद हो सकते हैं। इस आपदा काल का अनुशीलन अगर पर्वतीय जिद्द का एहसास करे, तो हम एक नए हिमाचल का श्रीगणेश कर सकते हैं। हम बचाव ढूंढने निकले हैं, कसूर ढूंढने नहीं। हम आपदा के जख्मों में पर्यावरण की नमक हलाली छिडक़ेंगे तो तकलीफ का मंजर नहीं सुधरेगा। अगर ऐसा होता तो अब तक पर्यावरण मंत्रालय अपनी गुल्लक खाली कर चुका होता। पहाड़ को ही पर्यावरण संरक्षण करना है, तो इसके घावों का पहला निरीक्षण केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को करना चाहिए था। आश्चर्य यह कि हमारे घावों की अदालत तो सर्वोच्च अदालत से सुनती है, लेकिन हमारे जख्मों की कौन सुनेगा।

जख्म ये हैं कि कुछ सालों में पर्यावरण की लाज बचाते हमारे जीने का इंतखाब बीस हजार करोड़ तबाह कर चुका है। इसकी भरपाई के लिए पर्यावरणीय भरपाई कब होगी। बहरहाल अपने जख्मों को देखने की व्यवस्था में प्रदेश की सक्रियता बढ़ रही है, तो प्रशासन को दफ्तरों से बाहर राहत शिविरों में हाजिरी लगानी है। ऐसे में दफ्तर कम, फील्ड ज्यादा फैलानी होगी। कम से कम विभागीय कसौटियों को शिमला के सचिवालय से बाहर भरमौर से सिरमौर और चन्नौर से किन्नौर तक के परिदृश्य को समझना होगा। यह न केवल प्रशासनिक तौर पर जरूरी है कि शिमला का खुमार हटा कर प्रदेश का बुखार समझा जाए। आपदा को समझने के लिए हर गांव-हर शहर, हर खेत-हर बागीचे, हर विभाग-हर निगम, हर नाले-हर खड्ड और नदी के व्यवहार को समझना होगा। अब नई प्रक्रियाओं की प्रणाली शुरू करनी होगी, लेकिन प्रशासन के स्वतंत्र मिजाज के लिए सियासत को भी नया सफर ढूंढना होगा। समग्रता में हिमाचल को न देखने की सजा भी कहीं नत्थी है। कहां ईंट-कहां पत्थर, कहां इमारत-कहां दफ्तर चाहिए, इसकी जिरह राजनीति ही रहेगी, तो हम बस्तियां बनाएंगे-बस्तियां उजाडऩे के लिए।

उमीदवार नहीं नेता लड़ेंगे चुनाव

अजीत द्विवेदी

भारतीय राजनीति में यह प्रवृत्ति अब सांस्थायिक रूप लेती जा रही है। नरेंद्र मोदी की कमान में भाजपा ने इस प्रवृत्ति को एक सिद्धांत में बदला और अब सारी पार्टियां इसे अपना रही हैं। सिद्धांत यह है कि उम्मीदवार चुनाव नहीं लड़ेगा, बल्कि एक सर्वोच्च नेता चुनाव लड़ेगा और एक दूसरे बड़ा नेता चुनाव की रणनीति बनाएगा। इस सिद्धांत के मुताबिक हर सीट पर उम्मीदवार एक सर्वोच्च नेता के नाम पर वोट मांगेंगे और हर उम्मीदवार के लिए ही एक नेता रणनीति बनाएगा। जैसे भाजपा में लोकसभा चुनाव हो या किसी भी राज्य का विधानसभा चुनाव या स्थानीय निकाय का चुनाव एक नेता नरेंद्र मोदी के नाम पर चुनाव लड़ा जाता है और एक नेता अमित शाह चुनाव की रणनीति बनाते हैं। राज्य चाहे कोई भी हो, उसकी सामाजिक संरचना चाहे जैसी भी हो, वहां की जनभावना और राजनीतिक मुहावरे चाहे जैसे भी हों, मोदी के नाम पर वोट मांगा जाएगा और कैसे वोट मांगा जाएगा, यह तय करेंगे अमित शाह। बस एक 'चंद्रगुप्त' और एक 'चाणक्य'! बाकी सब पैदल सेना हैं, निराकार! इसी तरह कांग्रेस में एक नेता राहुल गांधी, जिनके नाम पर हर राज्य में चुनाव लड़ा जाता है। कांग्रेस जीते या हारे, नाम सिर्फ राहुल गांधी का होगा।

पहले भी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पार्टियों में करिश्माई नेता होते थे और पार्टियां उनके करिश्मे पर चुनाव लड़ती थीं। लेकिन तब भी चुनाव लड़ने और जीतने या हारने वाले नेताओं की अपनी अहमियत होती थी। उनका अपना कद होता था। वे एक सामाजिक समीकरण के साथ साथ एक विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते थे। करिश्माई नेता से अलग हट कर उनका राजनीतिक वजूद होता था। उनकी सामूहिक ताकत पार्टी के करिश्माई नेता को और मजबूत करती थी। कांग्रेस में भले 'इंदिरा इज इंडिया और इंडिया इज इंदिरा' कहने वाले नेता थे लेकिन ऐसा मानने वाले बहुत कम थे। वे कहते थे लेकिन ऐसा कहने की सीमा जानते थे। वे अपने दम पर राजनीति करते थे लेकिन कांग्रेस आलाकमान को खुश रखने की जरुरत भी समझते थे। भाजपा में भी अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी सबसे बड़े नेता थे लेकिन सभी प्रदेशों में भाजपा के अपने ताकतवर क्षत्रप थे, जिनकी राजनीति अपने दम से चलती थी। अब न कांग्रेस में ऐसा है और न भाजपा में। अब कांग्रेस या भाजपा के नेता पार्टी आलाकमान को माई-बाप कहते हैं और मानते भी हैं। वे यह बात दिल से कहते हैं। यह सिर्फ औपचारिकता नहीं होती है।

यह प्रवृत्ति देश की सभी प्रादेशिक पार्टियों में भी गहरे तक बैठ गई है। जो बात कभी लालू प्रसाद ने नहीं कही वह बात तेजस्वी यादव कह रहे हैं। लालू प्रसाद ने कभी नहीं कहा कि बिहार की सभी 243 सीटों पर वे ही लड़ेंगे, जबकि उनका करिश्मा किसी भी समकालीन नेता से ज्यादा था। लेकिन तेजस्वी यादव कह रहे हैं कि सभी 243 सीटों पर वे लड़ेंगे। सोचें, इसमें उनकी अपनी पार्टी की सीटें ज्यादा से ज्यादा 140 होंगी। बाकी सीटें सहयोगी पार्टियों के खाते में जाएंगी। लेकिन तेजस्वी का यह दावा है कि उन सीटों पर भी वे ही लड़ेंगे। यानी 'इंडिया' ब्लॉक के 243 उम्मीदवारों का कई मतलब नहीं है। हर सीट पर तेजस्वी यादव लड़ेंगे और उनके 'चाणक्य' संजय यादव हर सीट की रणनीति बनाएंगे। उनके पास सारा डाटा और सर्वे एजेंसियों की ओर से दी गई फीडबैक है। जैसे अमित शाह भाजपा और एनडीए के लिए रणनीति बनाएंगे वैसे ही संजय यादव राजद और 'इंडिया' ब्लॉक के लिए बनाएंगे। किसी भी सीट पर लड़ रहे उम्मीदवार को कुछ नहीं करना है। उसे क्या बोलना है, किस एजेंडे को एड्रेस करना है, क्या नैरेटिव फैलाना है आदि आदि बातें बैकरूम से उसको बताई जाएंगी।

हर सीट पर मैं ही लड़ूंगा यह बात पहले के चुनावों में आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल कह चुके हैं तो इस बार बिहार चुनाव से पहले लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान भी कह रहे हैं। प्रशांत किशोर बिहार में बदलाव की यात्रा कर रहे हैं लेकिन वे उम्मीदवारों के नाम नहीं बता रहे हैं। बदलाव यात्रा की सभाओं में उनका भाषण इस बात से शुरू होता है कि, 'मेरा ही नाम प्रशांत किशोर है'। जन सुराज के उम्मीदवार का कोई मतलब नहीं है। जो है प्रशांत किशोर का नाम है।

मणिपुर की दक्षिणी पहाड़ियों में खादौ समुदाय के लोग रहते हैं। यह समुदाय पहाड़ के लिहाज से बड़ा ही कहा जाएगा। शुरू में इस समुदाय को कुकी कहा जाने लगा। बाद में कुछ और छोटे समुदायों को खादौ के साथ नत्थी कर कुकी शब्द को विस्तार दिया गया। एंथ्रोपोलोजी में माथापच्ची करने वाले कोशिश करते रहते हैं किसी तरह म्यांमार के चिन प्रदेश में रहने वाले समुदायों, मिजोरम के मिजो जिन्हें 'जो' भी कहा जाता है, और मणिपुर के उन समुदायों को जिनकी अपनी पहचान अब धीरे-धीरे उभर रही है, को सम्मिलित रूप में किसी तरह एक ही मूल के स्थापित किया जा सके। इस प्रकार का बहुत सा साहित्य भी यूरोपीय भाषाओं में प्रकाशित होता रहता है। दक्षिणी पहाडियों में जो सबसे बड़ा पहाड़ी समाज रहता है उसे खादौ कहा जाता है। उत्तरी पहाडियों में सबसे बड़ा पहाड़ी समाज तांखुल कहा जाता है....

मणिपुर की उलझन व पीएम का आगमन

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

मणिपुर पिछले कुछ समय से अशांत है। मणिपुर की घाटी में रहने वाले मैतेयी समुदाय और मणिपुर की दक्षिणी पहाडियों में रहने वाले लगभग तीस-चालीस पहाड़ी समुदायों के लोगों में विवाद चल रहा है। पहाड़ी समुदायों के लोगों ने मैदानी मैतेयी समाज के लोगों का पहाड़ में प्रवेश बंद कर रखा है और मैदान का मैतेयी समाज पहाड़ी समुदायों को घाटी में घुसने नहीं दे रहा। इसको लेकर बहुत खून-खराबा भी हुआ। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर गए थे। उन्होंने वहां दो जनसभाओं को संबोधित किया था। मैदानी इलाके की सभा इंफाल में हुई और पहाड़ी इलाके की सभा चुराचांदपुर जिला हैडक्वार्टर में हुई। प्रधानमंत्री ने विकास के अनेक प्रकल्प शुरू करने की घोषणा भी की। स्थानीय जनता में इसके लिए उत्साह भी देखा गया। लेकिन मोदी के इस दौरे को समझने के लिए इस विवाद को समझना जरूरी है। भारत का उत्तरी क्षेत्र हिमालयी क्षेत्र कहलाता है। इस क्षेत्र का भूगोल दो प्रकार का है। घाटियां भी हैं और पर्वतीय श्रृंखलाएं भी हैं। घाटी में रहने वाले लोग मैदानी क्षेत्र के निवासी कहलाते हैं और पर्वतीय श्रृंखलाओं पर रहने वाले लोग पहाड़ी कहलाते हैं। यह विभाजन केवल भारत में ही नहीं है, दुनिया भर में है। लेकिन इस विभाजन का आधार भूगोल है। मैदान और पहाड़ का मनोविज्ञान भी कुछ सीमा तक अलग होता है। इस लिए दूसरा विभाजन मनोवैज्ञानिक होता है। भूगोल का विभाजन दिखाई देता है, लेकिन मनोवैज्ञानिक विभाजन दिखाई तो नहीं देता, पर व्यवहार में अनुभव किया जा सकता है। इसका अर्थ यह नहीं कि दोनों का मनोविज्ञान एक-दूसरे का विरोधी होता है।

अलग होना और विरोधी होना दो अलग-अलग अवधारणाएं हैं। हिमालय के इस पूरे उत्तरी क्षेत्र को भूगोल के लिहाज से ही पूर्वोत्तर और पश्चिमोत्तर में बांटा जाता है। पूर्वोत्तर और पश्चिमोत्तर दोनों में ही घाटियां और पहाड़ हैं। इसलिए दोनों क्षेत्रों में मोटे तौर पर मैदानी लोग और पहाड़ी लोग रहते हैं। इस लिहाज से जनसंख्या का विभाजन भी मैदानी और पहाड़ी के आधार पर ही होता है। प्राचीन ग्रंथों में पूर्वोत्तर भारत को किरात प्रदेश के नाम से भी जाना जाता है। मंगोल चेहरे मोहरे के कारण पहाड़ के लोगों को किरात भी कहा जाता था। किरात में उत्तर-पूर्व के सभी पहाड़ी लोग आ जाते हैं, इसी प्रकार पश्चिमोत्तर भारत को सप्त सिन्धु भी कहा जाता है। लेकिन उत्तर-पूर्व भारत में रहने वाले सभी पहाड़ी लोग एक ही बिरादरी के नहीं हैं, जैसे हिमाचल प्रदेश में रहने वाले सभी पहाड़ी एक ही बिरादरी के नहीं हैं। वे किन्नर, भोट, लाहुले, गद्दी, गुज्जर इत्यादि अनेक समुदायों से ताल्लुक रखते हैं। इसी प्रकार पूर्वोत्तर में पहाड़ी लोग सैकड़ों समुदायों में बंटे हुए हैं। उदाहरण के लिए आदी, निशी, नोक्ते, शेरदुकपेन, गारो, खासी, जयन्तिया, त्रिपुरी, जमातिया, देववर्मन, चांग, खादौ, तांखुल, पाएते व गंगते इत्यादि। वैसे यह सूची सैकड़ों तक फैली हुई है। लेकिन एक बात ध्यान में रखनी चाहिए जब मैदान का कोई व्यक्ति पहाड़ में रहने वाले किसी व्यक्ति को पहाडिया कह कर पुकारता है तो वह केवल भूगोल के भाव से नहीं पुकारता, बल्कि उसके मन में पहाड़ के रहने वाले पहाडियों के लिए या तो दया का भाव है या फिर हिकारत का भाव है। यही स्थिति असम के मैदानी इलाके में रहने वाले लोगों के मन में वहां के पहाड़ी लोगों के लिए प्राय: रहती है। मैदानी क्षेत्र और पहाड़ी क्षेत्र में रहने वाले लोगों के बीच की अनेक समस्याओं का कारण भूगोल के अलावा यह भाव ही है। भूगोल के कारण उत्पन्न होने वाली सब से बड़ी समस्या तो व्यावहारिक होती है।

इस पृष्ठभूमि के बाद हम अपनी चर्चा केवल मणिपुर तक सीमित रखेंगे। इसलिए मणिपुर के भूगोल को ध्यान में रखते हुए इसे देखना होगा। मान लो यदि मणिपुर के पहाड़ों में रहने वाले दो समुदायों खादौ और खामलेंग में झगड़ा हो गया तो यकीनन खामलेंग, खादौ के पहाड़ में आने और बाहर जाने के रास्ते रोक सकते हैं। यदि मैतेयी और खादौ में झगड़ा हो जाता है तो दोनों एक दूसरे के तमाम रास्ते बंद कर सकते हैं। स्थिति पिंजरे में पड़े कबूतर जैसी हो सकती है। मणिपुर के मैदानी इलाके में रहने वाले लोगों को मैतेयी कहा जाता है। इसके अतिरिक्त कुछ मुसलमान भी मैदानी इलाके में रहते हैं जो कभी बंगाल से आए थे। उन्हें पांगल कहा जाता है। इसके अतिरिक्त मणिपुर के पहाड़ों में रहने वाली लगभग पचपन समुदाय हैं। ये पचपन समुदाय भी भूगोल के हिसाब से दो हिस्सों में बंटे हुए हैं। दक्षिणी पहाडियों में रहने वाले लगभग चालीस समुदाय हैं जिन्हें ब्रिटिश शासकों ने सामूहिक रूप से कुकी कहना शुरू किया, और उत्तरी पहाडियों में रहने वाले लगभग चौदह समुदायों को नागा कहना शुरू कर दिया। पिछले कुछ दशकों से दक्षिणी पहाडियों के समुदायों के लिए सामूहिक आधार पर कुकी नाम प्रचलन में है। जब यह शब्द प्रचलन में आ गया है तो एंथ्रोपोलोजिस्ट इसके लिए उपयुक्त तर्कों की तलाश में लगे रहते हैं। यह शब्द भ्रममूलक है और असम में अंग्रेजों के आने के बाद ही प्रचलन में आया।

मणिपुर की दक्षिणी पहाडियों में खादौ समुदाय के लोग रहते हैं। यह समुदाय पहाड़ के लिहाज से बड़ा ही कहा जाएगा। शुरू में इस समुदाय को कुकी कहा जाने लगा। बाद में कुछ और छोटे समुदायों को खादौ के साथ नत्थी कर कुकी शब्द को विस्तार दिया गया। एंथ्रोपोलोजी में माथापच्ची करने वाले कोशिश करते रहते हैं किसी तरह म्यांमार के चिन प्रदेश में रहने वाले समुदायों, मिजोरम के मिजो जिन्हें 'जो' भी कहा जाता है, और मणिपुर के उन समुदायों को जिनकी अपनी पहचान अब धीरे-धीरे उभर रही है, को सम्मिलित रूप में किसी तरह एक ही मूल के स्थापित किया जा सके। इस प्रकार का बहुत सा साहित्य भी यूरोपीय भाषाओं में प्रकाशित होता रहता है। दक्षिणी पहाडियों में जो सबसे बड़ा पहाड़ी समाज रहता है उसे खादौ कहा जाता है। इसी प्रकार उत्तरी पहाडियों में जो सबसे बड़ा पहाड़ी समाज है उसे तांखुल कहा जाता है। ब्रिटिश साम्राज्यवादियों ने मैतेयी, खादौ और तांखुल में विवाद पैदा किए। मणिपुर का वर्तमान विवाद भी इसी अविश्वास में से पैदा हुआ है। सरकार विकास को गति दे सकती है लेकिन अविश्वास की इस भावना को तो प्रदेश के समाजशास्त्रियों को स्वयं दूर करना होगा। इस दिशा में पहल भी हुई है। सबसे बड़े पहाड़ी समुदाय खादौ ने कहा है कि उसे कुकी कहना बंद किया जाए। यह अपमानजनक ही नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति को नष्ट करने का षड्यंत्र है। इस प्रदेश में दोनों समुदायों के विकास से समस्याओं का हल खोजा जा सकता है। एक-दूसरे समुदाय का अस्तित्व स्वीकार करना भी जरूरी है।

तकनीक बनी शासन की भाषा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने वह कर दिखाया, जो असंभव सा लगता था

प्रधानमंत्री मोदी तकनीक को तो समझते ही हैं लेकिन इंसानों को उससे भी बेहतर ढंग से समझते हैं। अंत्योदय का उनका सोच ही हर डिजिटल पहल को आगे बढ़ाती है। मोदी जी ने तकनीक को शासन की भाषा बना दिया है। उन्होंने साबित किया है कि जब नेता तकनीक को इंसानियत के साथ अपनाते हैं तो पूरा देश भविष्य की ओर बड़ी छलांग लगाता है।

अश्विनी वैष्णव।

प्रधानमंत्री मोदी ने तकनीक को भारत का सबसे बड़ा समान अवसर देने वाला साधन बना दिया है। मुंबई का एक रेहड़ी-पटरी वाला भी वही यूपीआइ पेमेंट सिस्टम इस्तेमाल करता है और बड़ी कंपनी का अधिकारी भी। यह बदलाव प्रधानमंत्री के मूल सोच अंत्योदय को दर्शाता है यानी कतार में खड़े सबसे आखिरी व्यक्ति तक पहुंचना। हर डिजिटल पहल का मकसद है तकनीक को सबके लिए समान रूप से उपलब्ध कराना। गुजरात में शुरू हुए ये प्रयोग ही भारत की डिजिटल क्रांति की नींव बने।

मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी जी ने तकनीक और नवाचार के जरिये गुजरात को बदला। 2003 में शुरू की गई ज्योतिग्राम योजना में फीडर सेपरेशन तकनीक से ग्रामीण उद्योगों को लगातार बिजली मिली। इससे महिलाएं रात में पढ़ाई कर सकीं और छोटे व्यवसाय फले-फूले, जिससे गांव से शहर की ओर पलायन घटा। इस योजना पर किए गए 1,115 करोड़ रुपये के निवेश की भरपाई सिर्फ ढाई साल में हो गई। 2012 में उन्होंने नर्मदा नहर पर सोलर पैनल लगाने का निर्णय लिया।

इस परियोजना से हर साल 1.6 करोड़ यूनिट बिजली बनी, जो लगभग 16,000 घरों के लिए काफी थी। इससे नहर के पानी का वाष्पीकरण कम हुआ और पानी की उपलब्धता बढ़ी। इस नवाचार को अमेरिका और स्पेन द्वारा अपनाया जाना इसकी प्रभावशीलता को और मजबूत करता है। ई-धरा प्रणाली से जमीन के कागजात डिजिटल हुए। स्वागत पहल से नागरिक वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा मुख्यमंत्री से सीधे जुड़ सके। आनलाइन टेंडरिंग से भ्रष्टाचार पर रोक लगी।

2014 में मोदी जी ने गुजरात का अनुभव और सीख दिल्ली तक पहुंचाया, लेकिन पैमाना कहीं बड़ा था। उनके नेतृत्व में इंडिया स्टैक बना, जो दुनिया का सबसे समावेशी डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर है। इसकी बुनियाद जैम ट्रिनिटी (जन धन, आधार, मोबाइल) पर रखी गई। जन धन खातों ने 53 करोड़ से अधिक लोगों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा। इससे उन्हें सुरक्षित बचत करने, सीधे सरकारी लाभ पाने और आसानी से कर्ज तक पहुंचने का अवसर मिला। आधार ने नागरिकों को डिजिटल पहचान दी।

अब तक 142 करोड़ से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं। इससे सरकारी सेवाओं तक पहुंचना आसान हो गया। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर ने बिचौलियों को हटा दिया और गड़बड़ी कम की। अब तक डीबीटी से 4.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है। यही पैसा स्कूल, अस्पताल और अन्य बुनियादी ढांचे बनाने में लगाया जा रहा है। पहले ग्राहक की पहचान (केवाईसी) की प्रक्रिया कठिन और भाग-दौड़ भरी थी। आधार-आधारित ई-केवाईसी से छोटे से छोटे लेन-देन भी आर्थिक रूप से संभव हो गए हैं। यूपीआइ ने भारत के भुगतान करने का तरीका बदल दिया। सिर्फ अगस्त में ही 20 अरब से

अधिक लेन-देन हुए, जिनकी कुल राशि 24.85 लाख करोड़ रुपये रही। सिंगापुर से लेकर फ्रांस तक कई देश यूपीआइ से जुड़े हैं। जी-20 ने डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को समावेशी विकास के लिए जरूरी माना है।

जापान ने इसके लिए पेटेंट भी दिया है। जो शुरुआत में भारत का समाधान था, वही अब विश्व के लिए डिजिटल लोकतंत्र का माडल बन गया। आज भारत दुनिया के कुल रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट्स का आधा हिस्सा अकेले संभालता है। पीएम मोदी के सोच ने जैम ट्रिनिटी और यूपीआइ ढांचे को अंतिम रूप दिया। आज यूपीआइ, वैश्विक स्तर पर वीजा से भी अधिक लेन-देन करता है। एक साधारण मोबाइल फोन अब बैंक, पेमेंट गेटवे और सर्विस सेंटर सब कुछ बन गया है।

'प्रगति' ने शासन में जवाबदेही लाने का काम किया। जब अधिकारियों को पता होता है कि प्रधानमंत्री लाइव वीडियो में उनका काम देखेंगे, तो जवाबदेही अपने आप बढ़ जाती है। तकनीक ने खेती और स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह बदल दिया है। किसानों को अब मौसम की जानकारी और मिट्टी की सेहत का डाटा सीधे मोबाइल पर मिल जाता है। डिजीलाकर में 57 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ताओं के 967 करोड़ दस्तावेज डिजिटल रूप से सुरक्षित रखे गए हैं। आधार आथेंटिकेशन से आयकर रिटर्न भरना भी बेहद आसान हो गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने वह कर दिखाया जो असंभव सा लगता था। मंगल तक पहली कोशिश में पहुंचना और वह भी इतने कम खर्चे में जितना एक हालीवुड फिल्म पर भी नहीं लगता। चंद्रयान-3 ने भारत को चांद पर साफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बनाया। गगनयान मिशन भारत को चौथा ऐसा देश बनाएगा जो अपनी स्वदेशी तकनीक से इंसानों को अंतरिक्ष में भेजेगा। जब कोविड-19 आया तो पूरी दुनिया वैक्सीन बांटने की अफरा-तफरी से जूझ रही थी। तब कोविन प्लेटफार्म रिकार्ड समय में बनाया गया। यह दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का एक संपूर्ण डिजिटल समाधान था।

प्रधानमंत्री की दृष्टि के तहत आज हमारी मजबूत इलेक्ट्रानिक्स उत्पादन क्षमता हमें उन्नत सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग की ओर छलांग लगाने में मदद कर रही है। दुनिया के 20 प्रतिशत से ज़्यादा चिप डिज़ाइनर यहीं हैं। सेमीकंडक्टर उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले केमिकल्स, गैस और विशेष सामग्री को भी समर्थन दिया जा रहा है।पीएम गति शक्ति पोर्टल जीआइएस तकनीक का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करता है। इंडिया एआइ मिशन के तहत 38,000 से अधिक जीपीयू उपलब्ध कराए गए हैं, वह भी वैश्विक लागत के एक-तिहाई दाम पर। इससे स्टार्टअप, शोधकर्ताओं और छात्रों को सिर्फ 67 रुपये प्रति घंटे की दर पर सिलिकान वैली जैसी सुविधाएं मिली हैं। तकनीक के प्रति पीएम मोदी की समझ भारत की अनूठी एआइ रेगुलेशन नीति में भी झलकती है।केवड़िया में 182 मीटर की स्टैच्यू आफ यूनिटी विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है। चिनाब पुल 359 मीटर ऊंचा है, जो कश्मीर को शेष भारत से जोड़ता है। आइजोल रेल लाइन कठिन पहाड़ी इलाकों से गुजरती है, जिसमें हिमालयन टनलिंग मेथड का प्रयोग किया गया है, जिसमें कई सुरंगें और पुल शामिल हैं। नया पंबन पुल सौ साल पुराने ढांचे की जगह आधुनिक इंजीनियरिंग से बनाया गया है।

इंजीनियरिंग की ये अद्भुत कृतियां प्रधानमंत्री के उस सोच को दर्शाती हैं जिसमें तकनीक और दृढ़ संकल्प के सहारे भारत को जोड़ा जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी तकनीक को तो समझते ही हैं, लेकिन इंसानों को उससे भी बेहतर ढंग से समझते हैं। अंत्योदय का उनका सोच ही हर डिजिटल पहल को आगे बढ़ाती है। मोदी जी ने तकनीक को शासन की भाषा बना दिया है। उन्होंने साबित किया है कि जब नेता तकनीक को इंसानियत के साथ अपनाते हैं तो पूरा देश भविष्य की ओर बड़ी छलांग लगाता है।

स्मार्ट चैटबॉट से घर बैठे मिलेगी नागरिक सुविधाएं

वॉट्सएप्प आधारित चैटबॉट सुविधा होगी शुरू

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बिलासपुर प्रदेश का पहला ऐसा नगर निगम बनने जा रहा है, जहां नागरिक अब स्मार्ट चैटबॉट के जरिए अधिकांश सेवाओं का लाभ घर बैठे ले सकेंगे। बिलासपुर नगर निगम ने डिजिटल इंडिया की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाते हुए वॉट्सऐप आधारित चैटबॉट सेवा शुरू कर रही है। इसके माध्यम से लोग प्रॉपर्टी टैक्स की जानकारी और भुगतान, बिल्डिंग परमिशन, शिकायत पंजीकरण, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जैसी सुविधाएं चंद मिनटों में प्राप्त कर सकेंगे।

ऐसे करेगा काम स्मार्ट चैटबॉट: इस चैटबॉट का उपयोग करना बेहद आसान होगा। इसके लिए निगम एक विशेष वॉट्सऐप नंबर 91 88157 82574 जारी करेगा। उस नंबर को मोबाइल में सेव करने के बाद केवल हाथ या नमस्ते लिखकर मैसेज भेजना होगा। इसके जवाब में ऑटोमेटेड रिप्लाई आएगा, जिसमें विभिन्न सेवाओं की सूची होगी। नागरिक अपनी आवश्यकता के अनुसार विकल्प चुनकर प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। यह चैटबॉट एआई और मेटा की तर्ज पर काम करेगा। इसकी जानकारी निगम अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया के माध्यम से भी प्रचारित करेगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसका लाभ उठा सकें।

नगर निगम बिलासपुर द्वारा शहर को स्वच्छ रखने और पूरे देश में पहले स्थान पर लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए स्वच्छ वार्ड चैलेंज प्रतियोगिता शुरू की जा रही है। इस प्रतियोगिता को शुरू करने की घोषणा केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू ने की। इस चैलेंज के तहत हर माह सभी वार्डों का सर्वे किया जाएगा, जो वार्ड सबसे स्वच्छ होगा, स्वच्छता के पैमाने पर खरा उतरेगा, उसे विकास कार्यों के लिए पुरस्कार स्वरूप 10 लाख रूपये की अतिरिक्त स्वीकृति दी जाएगी। बिलासपुर नगर निगम क्षेत्र में इस बार स्वच्छ गणेश पंडाल की तर्ज पर स्वच्छ दुर्गोत्सव पंडाल प्रतियोगिता भी शुरू की जाएगी, जिसमें सबसे स्वच्छ दुर्गा पंडाल को प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर पुरस्कृत किया जाएगा।

मुंगेली की तीन सिंचाई योजनाओं के लिए 11.80 करोड़ रूपए स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा मुंगेली जिले की तीन सिंचाई योजनाओं के कार्यों के लिए 11 करोड़ 80 लाख 9 हजार रूपए स्वीकृत किए हैं। स्वीकृत योजना में विकासखण्ड लोरमी के अंतर्गत मनियारी जलाशय के डी-1 मुख्य नहर की मसना माईनर के लाईनिंग कार्य हेतु तीन करोड़ 32 लाख 74 हजार रूपए स्वीकृत किए है। योजना के कार्य पूर्ण होने पर योजना का रूपांकित सिंचाई क्षेत्र 502 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति सहित पूर्ण रूपांकित क्षेत्र में सिंचाई सुविधा हो जाएगी।

इसी प्रकार से भरतसागर जलाशय की मुख्य नहर तथा माईनर नहर में सीसी लाईनिंग और पक्के कार्यों की मरम्मत के लिए 4 करोड़ 19 लाख 93 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। इस योजना के कार्य पूर्ण होने पर रूपांकित सिंचाई क्षेत्र 713 हेक्टेयर में 180 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति सहित रूपांकित क्षेत्र में सिंचाई सुविधा होने लगेगी। विकासखण्ड तखतपुर के अंतर्गत मनियारी नदी पर अमलीकांपा एनीकट से सिंचाई करने हेतु ऊर्जा संचालित उद्वहन सिंचाई योजना के निर्माण कार्य हेतु 4 करोड़ 28 लाख 32 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। योजना के निर्माण होने पर सोलर पंप प्रणाली के माध्यम से 160 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई प्रस्तावित है। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से सिंचाई योजनाओं के कार्यों को कराने के लिए मुख्य अभियंता हसदेव कछार, जल संसाधन विभाग बिलासपुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

प्रदेश में अब तक 1030.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 1030.9 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 1463.7 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 494.6 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर संभाग में रायपुर जिले में 900.0 मि.मी., बलौदाबाजार में 751.9 मि.मी., गरियाबंद में 904.6 मि.मी., महासमुंद में 733.3 मि.मी. और धमतरी में 933.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर संभाग में बिलासपुर जिले में 1083.6 मि.मी., मुंगेली में 1045.5 मि.मी., रायगढ़ में 1255.4 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 895.3 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 1233.1 मि.मी., सक्ती में 1125.5 मि.मी., कोरबा में 1051.3 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 987.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। दुर्ग संभाग में दुर्ग जिले में 796.1 मि.मी., कबीरधाम में 751.4 मि.मी., राजनांदगांव में 870.7 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 1242.8 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 753.1 मि.मी. और बालोद में 1080.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। सरगुजा संभाग में सरगुजा जिले में 733.0 मि.मी., सूरजपुर में 1096.6 मि.मी जशपुर में 1010.4 मि.मी., कोरिया में 1146.6 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 1048.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बस्तर संभाग में बस्तर जिले में 1406.6 कोंडागांव जिले में 954.7 मि.मी., कांकेर में 1149.3 मि.मी., नारायणपुर में 1239.6 मि.मी., दंतेवाड़ा में 1379.3 मि.मी., सुकमा में 1088.2 मि.मी. और बीजापुर में 1415.7 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

युवाओं को रोजगार दिलाना सरकार की पहली प्राथमिकता : राजस्व मंत्री

- *छत्तीसगढ़ में एआई हब और तकनीकी शिक्षा से खुलेगा रोजगार का नया द्वार- गुरु खुशवंत साहेब*
- *रोजगार की नई राह- बलौदाबाजार में 1458 पदों पर 1300 से अधिक युवाओं ने किया आवेदन*

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। स्वामी आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बलौदाबाजार में जिला प्रशासन की ओर से आज भव्य रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा और कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहेब शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का विजन है कि प्रदेश के प्रत्येक युवा को रोजगार मिले। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का प्रयास है कि कॉलेज की पढ़ाई पूरी करते ही युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए सरकार संकल्पित है।

कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता का एकमात्र रास्ता कड़ी मेहनत है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार युवाओं के सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी लेकर सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए प्रदेश में साढ़े 13 एकड़ में एआई हब का निर्माण किया जाएगा, जिससे युवाओं को नई तकनीकी सुविधाओं का लाभ मिलेगा। साथ ही उन्होंने शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज स्थित आई-हब लैब की भी जानकारी युवाओं के साथ साझा की। रोजगार मेले में हम होंगे कामयाब अभियान के तहत 60 तथा जिला रोजगार कार्यालय के माध्यम से 15, इस प्रकार कुल 75 युवाओं को ऑफर लेटर प्रदान किए गए। मेले में कुल 1458 पदों के विरुद्ध 1300 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनके आधार पर युवाओं को उनकी योग्यता व रुचि के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर कलेक्टर श्री दीपक सोनी, जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष श्री अशोक जैन, जनपद अध्यक्ष श्रीमती सुलोचना यादव, भारत स्काउट गाइड के अध्यक्ष श्री विजय केशरवानी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और युवा उपस्थित रहे।

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत भरतपुर में दिया गया स्वच्छता और जागरूकता का संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विकासखंड भरतपुर में आज स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत भव्य सामूहिक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में जनप्रतिनिधियों से लेकर विद्यालयों के छात्र-छात्राओं तक सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुँचाया।

कार्यक्रम में एकलव्य विद्यालय जमथान के छात्र-छात्राओं, स्काउट-गाइड के बच्चों के साथ-साथ जनपद पंचायत अध्यक्ष माया प्रताप, उपाध्यक्ष हीरा लाल मौर्य, नगर पंचायत अध्यक्ष कौशल पटेल, नगर पंचायत उपाध्यक्ष निलेश मिश्रा, मंडल अध्यक्ष पवन शुक्ला, विकासखंड शिक्षा अधिकारी मो. इस्माइल खान और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने सक्रिय भागीदारी कर स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। इस अभियान के अंतर्गत स्टेडियम जनकपुर, तहसील कार्यालय भरतपुर, विकास खंड शिक्षा कार्यालय और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भरतपुर के परिसर में व्यापक साफ-सफाई की गई। प्रतिभागियों ने झाड़ू लगाकर, कचरा उठाकर और परिसर को स्वच्छ बनाकर यह संदेश दिया कि सामूहिक प्रयास से ही स्वच्छ समाज और स्वस्थ जनकपुर का निर्माण संभव है।

जल जीवन मिशन से ग्रामवासियों को मिल रहा हर घर शुद्ध जल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 अगस्त 2019 को प्रारंभ किए गए जल जीवन मिशन का उद्देश्य देश के प्रत्येक ग्रामीण घर तक सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है। मोदी की गारंटी के अनुरूप छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार इस संकल्प को मूर्त रूप दे रही है। प्रत्येक ग्रामीण परिवार को शुद्ध पेयजल के लिए घरेलू नल कनेक्शन प्रदान करना है। स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों, ग्राम पंचायत भवनों, स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों और सामुदायिक भवनों में काम लायक नल कनेक्शन प्रदाय कर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करना है।

जशपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत अंतर्गत ग्राम ठुठीअम्बा के प्रधानटोली में जल जीवन मिशन के तहत नल-जल योजना संचालित की गई है। यहां हर घर तक टंकी से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। टंकी को सौर ऊर्जा पैनल से जोड़ा गया है, जिससे बिजली की समस्या भी नहीं रहती और ग्राम पंचायत को सतत जल आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है। गांव की पूर्व सरपंच श्रीमती बुधनी बाई बताती हैं कि ÷आज हर घर में नल से पानी पहुँच रहा है। पहले पीने के पानी के लिए हमें हैंडपंप और कुओं पर निर्भर रहना पड़ता था, जिसमें काफी समय और मेहनत लगती थी। अब नल से पानी आने से हमें शारीरिक थकान से मुक्ति मिली है और समय की बचत भी होती है।÷ इसी तरह श्रीमती बसंती बाई का कहना है कि÷अब हमें घर बैठे ही पीने और खाना पकाने के लिए शुद्ध पानी मिल जाता है। इससे जीवन बहुत आसान हो गया है। ग्रामीण बताते हैं कि जल जीवन मिशन के पहले गर्मियों में जल स्तर नीचे चले जाने से हैंडपंप और कुओं से पानी लाना कठिन हो जाता था। बरसात के मौसम में दूषित पानी से बीमारियों का खतरा बढ़ जाता था। लेकिन अब पानी की नियमित जाँच होती है और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप जलजनित बीमारियों में भी कमी आई है। ग्रामीणों ने हर घर नल-जल योजना की इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

स्वच्छता ही सेवा 2025 के अंतर्गत स्वच्छोत्सव अभियान का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में स्वच्छता ही सेवा 2025 और स्वच्छोत्सव अभियान के तहत 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले विशेष पखवाड़े के लिए विभागवार कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

इस अभियान को तीन प्रमुख बिंदुओं पर केंद्रित किया गया है। पहला, स्वच्छता की भागीदारी, जिसमें जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता श्रमदान, स्वच्छता रैली, स्वच्छता चौपाल और स्वच्छता मैराथन जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

दूसरा बिंदु संपूर्ण स्वच्छता है, जिसके तहत ग्राम पंचायतों और शहरी क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाए जाएंगे। घरों से निकलने वाले गीले और सूखे कचरे के पृथक्करण एवं घरेलू अपशिष्ट जल के प्रबंधन हेतु सामुदायिक जागरूकता बढ़ाई जाएगी।

तीसरा बिंदु सफाई मित्र सुरक्षा शिविर है, जिसमें जिलेभर में कार्यरत स्वच्छता कर्मियों के स्वास्थ्य परीक्षण और सुरक्षा उपकरण वितरण के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। सामुदायिक जागरूकता के लिए शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका तय की गई है।

दिव्यांग खिलाड़ियों के साहस और संघर्ष है मिसाल : मंत्री राजवाड़े

राज्य स्तरीय व्हीलचेयर रग्बी प्रतियोगिता के समापन समारोह में हुई शामिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े आज रायपुर सिविल लाइन स्थित शालेम इंग्लिश मीडियम स्कूल में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय व्हीलचेयर रग्बी प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल हुईं। मंत्री ने आयोजकों और प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि व्हीलचेयर रग्बी जैसे खेल दिव्यांग खिलाड़ियों के साहस और संघर्ष की प्रेरणादायी मिसाल हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजन को मुख्यधारा से जोड़ने तथा उन्हें खेल और अन्य गतिविधियों में प्रोत्साहित करने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं दिव्यांग खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक संदेश भी देती हैं। उन्होंने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय व्हीलचेयर रग्बी प्रतियोगिता के समापन समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि,खेलप्रेमी, खिलाड़ी, विद्यार्थियों और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम : प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की दी गई जानकारी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक जिले में सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी, स्वच्छता सेवा और जनकल्याणकारी योजनाओं को व्यापक रूप से लोगों तक पहुँचाना है। इसी क्रम में बुधवार को रायगढ़ में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रचार-प्रसार हेतु जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ नगर निगम रायगढ़ के महापौर जीवधर्न चौहान एवं सभापति डिग्री लाल साहू ने भगवान विश्कर्मा के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर महापौर चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती तक सेवा पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सूर्यघर योजना आमजन के लिए अत्यंत लाभकारी है, जिससे बिजली खर्च में बड़ी बचत संभव है। महापौर चौहान ने नगरवासियों को इससे जुड़ने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम में विद्युत विभाग रायगढ़ क्षेत्र के मुख्य अभियंता मनीष तनेजा ने विस्तारपूर्वक योजना की जानकारी दी और लोगों से अधिक से अधिक संख्या में इस योजना का लाभ लेने तथा दूसरों को भी प्रेरित करने का आह्वान किया। लाभार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। श्लोक चौधरी ने बताया कि सौर ऊर्जा अपनाने के बाद उनका मासिक बिजली बिल 70 हजार रुपये से घटकर मात्र 15 से 20 हजार रुपये रह गया है। इसी तरह राजेंद्र चौरसिया, विकास पटेल, बंटी चोपड़ा, नरेंद्र पटेल एवं राजेश भारद्वाज ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सोलर प्लांट लगाने से उनका बिजली बिल लगभग 80 प्रतिशत तक कम हो गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री का आभार जताया। इस अवसर पर विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता गुंजन शर्मा, कार्यपालन अभियंता राम कुमार राव, फतेह राम नाग, नरेंद्र नायक सहित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि एवं सोलर वेंडर्स-अभिनव शर्मा, मयंक मिश्रा, आनंद शर्मा, विकास गुप्ता, अनिल मालाकार, नरेश पटेल और नटवर जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आमजन ने भागीदारी कर योजना की जानकारी प्राप्त की।

सेवा पखवाड़ा 2025 के तहत 21 को नशामुक्त मैराथन दौड़ का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा पखवाड़ा दिवस के अंतर्गत 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक नशा मुक्त भारत अभियान के तहत पुलिस विभाग, महाविद्यालय, स्कूल, स्काउट गाइड, रेडक्रॉस और नशा मुक्ति केंद्र के सहयोग से नशा मुक्त एमसीबी के थीम पर मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के मार्गदर्शन में संचालक समाज कल्याण संचालनालय छत्तीसगढ़ के आदेशानुसार 21 सितम्बर 2025 को भव्य नशामुक्ति मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। यह मैराथन प्रातः 6:30 बजे रविवार को स्वामी आत्मानंद इंग्लिश स्कूल, मनेन्द्रगढ़ से प्रारंभ होकर आमाखेरवा ग्राउंड तक आयोजित होगी। इस आयोजन में महिला और पुरुष दोनों वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है, ताकि समाज में स्वस्थ और नशामुक्त जीवनशैली का संदेश व्यापक स्तर पर पहुंचे। प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने हेतु प्रथम पुरस्कार 2100 रुपए, द्वितीय पुरस्कार 1500 रुपए तथा तृतीय पुरस्कार 1100 रुपए प्रदान किए जाएंगे।

उज्जैन में मॉक ड्रिल में दिखाया दंगे जैसा माहौल दंगाईयों ने पत्थर चलाए पुलिस ने चलाई लाठी-डंडे

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन के टावर चौक पर शुक्रवार को पुलिस प्रशासन ने मॉक ड्रिल की। इस दौरान दंगे जैसी स्थिति को दर्शाने के लिए पुलिस और दंगाई बने पुलिसकर्मियों के बीच पथराव, लाठीचार्ज और गोलीबारी की कार्रवाई की गई। मॉक ड्रिल में एक व्यक्ति की मौत हुई। वहीं, एक घायल हुआ, जिन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

अचानक दिखा भारी पुलिस बल, लोग हुए हैरान:शुक्रवार सुबह टावर चौक पर अचानक बड़ी संख्या में पुलिस बल, वाहन और एंबुलेंस देखकर स्थानीय लोग हैरान रह गए। बाद में पता चला कि यह पुलिस की मॉक ड्रिल है, जिसका उद्देश्य दंगा नियंत्रण और आपातकालीन स्थितियों से निपटने की तैयारी करना था।

इस अभ्यास में पुलिस के अलग-अलग दस्तों के साथ एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन सेवाएं भी शामिल रहीं ताकि वास्तविक हालात में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके

पत्थरबाजी, लाठीचार्ज और गोली चलाने का किया गया अभ्यास मॉक ड्रिल के दौरान दंगा जैसी परिस्थिति को दर्शाते हुए पुलिस कर्मियों की दो टीमों में बंटकर एक पक्ष को दंगाई बनाया गया। उन्होंने पथराव शुरू किया, जिसके जवाब में पुलिस ने पहले लाठीचार्ज किया, फिर स्थिति गंभीर होने पर गैस फायर और गोलीबारी भी की गई।

इस पूरी कार्रवाई को वास्तविकता से जोड़ने के लिए क्रमबद्ध तरीके से बल प्रयोग की प्रक्रिया अपनाई गई। पहले गैस पार्टी ने गैस फायर किए, फिर इफेक्टिव बल का उपयोग हुआ। इसके बाद रायफल पार्टी को बुलाया गया और अंत में मजिस्ट्रेट की अनुमति से गोली चलाई गई।

पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ अभ्यास:मॉक ड्रिल के दौरान सीएसपी दीपिका शिंदे, राहुल देशमुख, आरआई रणजीत सिंह सहित सभी थाना प्रभारी, एएसपी गुरूप्रसाद पाराशर और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे।इस दौरान अधिकारियों ने जवानों को बताया कि आपातकालीन स्थिति में कौन-से अफसर को क्या भूमिका निभानी होती है ।

पत्नी लापता, पति ने पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

छतरपुर, एजेंसी। पत्नी के लापता होने से परेशान एक व्यक्ति ने पुलिस पर रिश्वत मांगने और उत्पीड़न का आरोप लगाया है। संकट मोचन पहाड़ी गोकुलधाम निवासी शाबिर शाह ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर आत्महत्या की चेतावनी दी, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें पूछताछ के लिए थाने बुलाया है। शाबिर शाह के अनुसार, उनकी पत्नी 27 जुलाई से लापता है। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी घर से 40 हजार रुपए नकद और लगभग एक लाख रुपए के आभूषण लेकर गई है।

शाबिर ने आरोप लगाया है कि उनके छोटे भाई मोनू ने उनकी पत्नी को भगाया है। वह डेढ़ माह से एसपी कार्यालय और सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। तनावग्रस्त शाबिर ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में कहा कि यदि शाम तक उनकी पत्नी नहीं मिली तो वे आत्महत्या कर लेंगे।

उन्होंने यह भी बताया कि उनके दो बच्चे, एक बेटा और एक बेटी, वर्तमान में मायके में हैं, जिससे परिवार की चिंताएं बढ़ गई हैं। सीएसपी अरुण कुमार सोनी ने इस संबंध में बताया कि वायरल वीडियो सामने आने के बाद युवक शाबिर शाह को पूछताछ के लिए थाने बुलाया गया है।

एक साथ उठीं मां-पिता, दो बेटों की अर्थी

8 दिन पहले ढलवाई थी मकान की स्लैब, बस की टक्कर से गई थी जान

खंडवा, एजेंसी। इंदौर में बस से बाइक टकराने पर जान गंवाने वाला सोलंकी परिवार खंडवा के गौल सैलानी गांव का निवासी था। दंपती और दोनों बेटों के शव गुरुवार देर शाम को गांव पहुंचे, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। एक साथ चार अर्थियां उठीं तो देखने वालों की आंखें नम हो गईं। हर कोई सिसक उठा। कावेरी नदी के किनारे बने श्मशान घाट पर दोनों बेटों के शवों को माता-पिता के बीच रखकर मुखाग्नि दी गई।

हादसा 17 सितंबर की देर रात इंदौर में उज्जैन रोड पर रिंगनोदिया गांव के पास हुआ। बाणेश्वरी ट्रेवल्स की तेज रफ्तार बस नंबर MP09 FA 6390 ने बाइक नंबर MP09 VF 3495 को टक्कर मार दी थी। महेंद्र सोलंकी (45), उनकी पत्नी जयश्री सोलंकी (40), बड़े बेटे जिगर सोलंकी (16) ने मौके पर दम तोड़ दिया जबकि छोटे बेटे तेजस सोलंकी (12) की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

काकी के अंतिम संस्कार में शामिल होने भोपाल गए थे

महेंद्र सोलंकी के काका का परिवार भोपाल में रहता है। मंगलवार को उनकी काकी का निधन हो गया था। अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए महेंद्र और उनकी पत्नी जयश्री बुधवार को भोपाल के लिए निकले। महेंद्र पूरे परिवार के साथ इंदौर में ही रहने वाले बड़े भाई बाबूसिंह के घर गए। वहां से कार लेकर पति-पत्नी भोपाल निकल गए जबकि दोनों बेटे बड़े भाई के घर ही रुक गए थे।अंतिम संस्कार होने के बाद महेंद्र और जयश्री कार से इंदौर लौटे। बड़े भाई के घर कार रखकर एक ही बाइक से परिवार के चारों सदस्य अपने घर आ रहे थे। इसी दौरान बस ने बाइक को

सामने से टक्कर मार दी।

बेटे की परीक्षा के कारण रात में ही निकले

बड़े भाई बाबूसिंह ने तेज बारिश का हवाला देते हुए महेंद्र को रोकने की कोशिश की थी, लेकिन सुबह बेटे जिगर की परीक्षा होने से परिवार ने इनकार कर दिया। सभी लोग रात में ही घर के लिए रवाना हो गए। करीब एक घंटे बाद भी घर पहुंचने की खबर नहीं आई तो बाबूसिंह की बेटी ने महेंद्र को फोन लगाया। तब उनको हादसे की जानकारी मिली।

8 दिन पहले मकान की स्लैब ढलवाई थी

इंदौर में तीन इमली इलाके में रहने वाले महेंद्र सोलंकी चाय-नाश्ते का स्टार्टअप चला रहे थे। दो साल पहले ही उन्होंने एक प्लॉट खरीदा था, जिस पर मकान बनाने का काम जारी था। 8 दिन पहले ही इसकी स्लैब ढली थी। परिजन ने बताया कि महेंद्र और जयश्री प्लानिंग कर रहे थे कि घर में कौन-सी टाइल्स लगवाना है। एक-दो दिन में खरीदारी के लिए जाने वाले थे। लंबे समय से किराए के मकान में रह रहा परिवार अपने घर को लेकर एक्साइटेड था। वे जहां भी जाते थे, रिश्तेदारों से कहते थे कि नए मकान के गृह प्रवेश का कार्यक्रम करेंगे। आप लोगों को आना है।

परिवार में तीन भाई, महेंद्र मंझले थे

गौल सैलानी के मूल निवासी सरदार सिंह सोलंकी की तीन संतानों में महेंद्र मंझले थे। 16-17 साल की उम्र में महेंद्र और उनके बड़े भाई बाबूसिंह इंदौर चले आए थे। यहां रहकर मजदूरी करने लगे। फिलहाल, बाबूसिंह प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। महेंद्र ने बीते कुछ साल से मूसाखेड़ी में चाय-नाश्ते की दुकान खोल ली थी।

नवरात्रि उत्सव पर प्रशासन की सती

समितियों से पुलिस लिखवा रही वचनपत्र,पंडाल से यातायात न हो बाधित, 4 साउंड बॉस की परमिशन

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम में नवरात्रि उत्सव 22 सितंबर से शुरू होने जा रहा है। इस बार 50 से अधिक स्थानों पर सार्वजनिक पंडालों में मां दुर्गा, काली और भगवान शिव की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। उत्सव को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने आयोजकों के लिए सख्त नियम तय किए हैं।

पंडाल का आकार तय, यातायात में बाधा नहीं होनी चाहिए:सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत ने स्पष्ट किया है कि आयोजक समितियों को ऐसा पंडाल नहीं बनाना है जिससे 24 घंटे यातायात प्रभावित हो। पंडालों का निर्माण निर्धारित मापदंडों के अनुसार ही किया जाएगा, और आयोजन स्थल पर प्रशासन से प्राप्त अनुमति पत्र सार्वजनिक रूप से लगाना अनिवार्य होगा।

डीजे पर रोक, साउंड सिस्टम के लिए सख्त नियम:नवरात्रि के दौरान डीजे पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। आरती, भजन और धार्मिक कार्यक्रमों के

लिए अधिकतम 4 साउंड बॉक्स की अनुमति होगी। रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक किसी भी प्रकार के ध्वनि यंत्रों का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। ध्वनि विस्तारक यंत्रों की आवाज तय सीमा के भीतर ही रखनी होगी।

नशे में पाए जाने पर होगी कार्रवाई:चल समारोह और विसर्जन स्थल पर नशे की हालत में पाए जाने वाले व्यक्तियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पंडाल में किसी भी प्रकार की अश्लील या आपत्तिजनक टिप्पणी, गीत या नारेबाजी की अनुमति नहीं होगी। दो समुदायों के बीच तनाव फैलाने वाले किसी भी कृत्य पर सख्त प्रतिबंध रहेगा।

सीसीटीवी और वॉलंटियर अनिवार्य:प्रशासन ने सभी समितियों को निर्देश दिए हैं कि पंडाल में सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और 24 घंटे वालंटियर की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। साथ ही, पंडाल निर्माण मजबूत और सुरक्षित तरीके से किया जाए ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

वचन पत्र देना अनिवार्य:प्रत्येक दुर्गा और शिव उत्सव समिति को आयोजन से पहले एक लिखित वचन पत्र देना होगा। इसमें मूर्ति स्थापना, चल समारोह, विसर्जन की तारीख, समय और मार्ग की जानकारी तय प्रोफार्मा में 21 सितंबर शाम 5 बजे तक संबंधित थाने को देना अनिवार्य होगा।

कार्यक्रम की जानकारी पहले देना होगी:त्योहार के दौरान पंडाल में आयोजित किसी भी कार्यक्रम की जानकारी आयोजन से कम से कम दो दिन पहले संबंधित थाने को देना आवश्यक होगा। यदि ध्वनि विस्तारक यंत्रों के नियमों का उल्लंघन होता है, तो आयोजन समिति, यंत्र संचालक और ऑपरेटर की पूरी जिम्मेदारी तय की जाएगी।

बैठक में मौजूद रहे अधिकारी और जनप्रतिनिधि:शांति समिति की इस बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत, एसडीओपी जितेंद्र पाठक, कोतवाली टीआई कंचन सिंह ठाकुर, देहात थाना प्रभारी सौरभ पांडे, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव और भाजपा नेता पीयूष शर्मा सहित अन्य अधिकारी और समिति प्रतिनिधि मौजूद रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी आयोजकों को नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा, अन्यथा उल्लंघन की स्थिति में कानूनी कार्रवाई की जाएगी और आयोजन समिति जिम्मेदार मानी जाएगी।

पुलिस को देख चोर पाइप में जाकर छिपा

2 घंटे की मशक्कत के बाद निकालकर जान बचाई, वीडियो आया सामने

रतलाम, एजेंसी। रतलाम के सागोद रोड पर एक निर्माणाधीन मॉल में चोर घुस गया। रात में गश्ती के दौरान पुलिस की नजर चोर पर पड़ गई। पुलिस निर्माणाधीन मॉल में पहुंची। चोर पुलिस को देख भागा। चोर मॉल की चौथी मंजिल पर जाकर छिप गया। पुलिस उसे तलाश करते हुए पहुंची। लेकिन नहीं दिखा। पुलिस ने पूरे मॉल में जांच की। तभी तीसरी मंजिल पर एक पाइप में से आवाज आने लगी। पुलिस पाइप के पास पहुंची तो चोर उसमें फंसा हुआ था। 2 घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस चोर को पाइप से निकाल पाई। पाइप में फंसे चोर का वीडियो सामने आया है।

घटना चार दिन पुरानी शहर के डीडी नगर थाना क्षेत्र की है। थाना प्रभारी मनीष डाबर और चीता पार्टी गश्त कर रहे थे। बाजना बस स्टैंड क्षेत्र में जैन स्कूल के आगे एक निर्माणाधीन मॉल में पुलिस को कुछ हलचल नजर आई। शंका पर पर पुलिस मॉल परिसर में पहुंची। वहां चोरी की नीयत से घुसा एक युवक पुलिस को देखकर बचने के लिए उपरी मंजिल पर भाग गया।

पुलिस भी पीछे दौड़ी:पुलिस

भी चोर के पीछे दौड़ी। वह कहीं नजर नहीं आया। पुलिस ने मॉल परिसर में घुमकर देखा तो युवक कई वायर काट चुका था।

पुलिस ने पहली मंजिल से लेकर चौथी मंजिल तक चोर को तलाशा। लेकिन वह नहीं मिला। तीसरी मंजिल पर पुलिस को एसी के चिलर (डक्ट) यूनिट के पाइप में फंसा हुआ दिखाई दिया।

पीओपी को तोड़कर निकाला:पुलिस ने छत की 30 फीट दूर पीओपी तोड़कर पाइप के चद्दर काटकर युवक को बाहर निकाल उसकी जान बचाई। चोर पुलिस से छिपने के लिए चौथी मंजिल से नीचे जा रहे चिलर युनिट के पाइप में उतर गया था। तीसरी मंजिल पर आकर फंस गया। पुलिस यदि उसे नहीं निकालती तो उसकी जान भी जा सकती थी। चोर ने यहां पर तार काट कर नुकसान किया है। निर्माणाधीन मॉल बिबड़ौद के संतोष पाटीदार का है।

डीडी नगर थाना प्रभारी मनीष डाबर ने बताया आरोपी ने अपना नाम विजय (40) पिता रामलाल भाभर निवासी राजपुरा बताया है। मॉल संचालक ने किसी प्रकार की कोई शिकायत नहीं की है। शांति भंग की धारा में केस दर्ज किया है। एसडीएम कोर्ट में पेश कर आरोपी को जेल भेज दिया।

फाइनेंस कंपनी में चोरी करने वाला आरोपी पकड़ाया

सागर, एजेंसी।सागर जिले के मकरोनिया थाना क्षेत्र के गौरनगर में स्थित यूफिन क्रेडिट सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड की शाखा में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने फरार तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को बडतूमा स्थित हेलीपैड के पास से घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात में शामिल होना स्वीकार कर लिया है।

लॉकर से चुराए थे करीब दो लाख रुपए:मकरोनिया थाना पुलिस के अनुसार, फरियादी लखन साहू पिता शोभालाल साहू निवासी ग्राम गोरा खुर्द ने 16 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई थी। लखन साहू यूफिन क्रेडिट सॉल्यूशन प्रा. लि. में एरिया मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि ब्रांच मैनेजर राजेश राज ने रात करीब 2:18 बजे फोन पर सूचना दी थी कि कंपनी का कलेक्शन लॉकर चोरी हो गया है।

इस लॉकर में ग्राहकों से वसूली गई कुल 1,94,615 की राशि रखी थी, जिसमें 2,000 ऑफिस के रख-रखाव के लिए थे। चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।

पहले दो आरोपी हो चुके हैं गिरफ्तार:जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। इसके साथ ही मुखबिरों को भी सक्रिय किया गया। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों की पहचान की आदर्श उर्फ बिट्टू घोषी, मुस्तफा खान, निवासी गडर, सौरभ राय, निवासी भड़राना।

इनमें से मुस्तफा खान और सौरभ राय को पुलिस ने 4 सितंबर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

हेलीपैड के पास घूमते पकड़ा गया आरोपी:तीसरा आरोपी आदर्श उर्फ बिट्टू घोषी फरार चल रहा था। इस बीच पुलिस को सूचना मिली कि वह बडतूमा के हेलीपैड के पास देखा गया है। मकरोनिया थाना प्रभारी रवींद्र सिंह चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी को पकड़ लिया।पुलिस ने आरोपी से वारदात में उपयोग की गई बाइक भी बरामद की है।

50 दलित परिवार पीएम आवास योजना से वंचित

पांच बार सर्वे के बाद भी सूची अस्वीकृत, प्रशासन पर पक्षपात का आरोप

शाजापुर, एजेंसी। शाजापुर जिले के पोलायकलां नगर परिषद में 50 से अधिक दलित परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ से वंचित हैं। ये परिवार आज भी कच्चे मकानों और झोपड़ियों में रहने को मजबूर हैं, जबकि योजना का उद्देश्य बेघर और कमजोर वर्ग को पक्का आवास उपलब्ध कराना है।

इन परिवारों को बारिश के मौसम में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उनकी झोपड़ियों और कच्चे मकानों से पानी टपकता है, जिससे उन्हें बरसाती बिछाकर बचाव करना पड़ता है। कई मकानों की दीवारें जर्जर हो चुकी हैं, जिससे उनके जीवन पर खतरा बना हुआ है। पोलायकलां नगर परिषद में वर्ष 2016 से 2022 के बीच 777 लोगों को इस योजना का लाभ मिला था।

दलित परिवार सालों से झोपड़ी में जीवन यापन

हालांकि, 2022 के बाद से एक भी व्यक्ति को पीएम आवास योजना का लाभ नहीं मिल पाया है, जिससे वास्तविक हकदार अभी भी वंचित हैं। योजना के तहत पोलायकलां में अब तक पांच बार सर्वे हो चुके हैं। पहले सर्वे में 607 लोगों का चयन किया गया था, जिसे शुजालपुर एसडीएम ने इनकार कर दिया।

इसके बाद दूसरे सर्वे में 121, तीसरे

में 83 और चौथे में 39 लोगों को पात्र माना गया, लेकिन इन सभी सूचियों को भी एसडीएम द्वारा गलत बताकर खारिज कर दिया गया। हाल ही में पांचवीं बार 54 लोगों को चयनित कर एक नई सूची भेजी गई है, जो वर्तमान में एसडीएम के आदेश का इंतजार कर रही है। इन परिवारों ने आरोप लगाया है कि मकान गिरने से होने वाली किसी भी जनहानि के लिए कलेक्टर और एसडीएम जिम्मेदार होंगे।

पोलायकलां के ये परिवार सालों से अपने पैतृक मकानों में रह रहे हैं नगरपरिषद इनको भवन प्रमाण पत्र भी जारी कर चुकी है और ये टैक्स भी भर रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बार-बार आवेदन कर रहे हैं। इनके आवेदनों को इस बात पर खारिज कर दिया कि इनके पास भूखंड की रजिस्ट्री नहीं है। दलितों से कहा गया रजिस्ट्री करवा लो, इनके द्वारा दस- बीस हजार रुपए खर्च कर रजिस्ट्री करवाई लेकिन उसके बाद भी इन्हें योजना का लाभ नहीं दिया जा रहा है। इन दलित परिवारों पर दोहरी मार पड़ गई। आवास योजना का लाभ भी नहीं मिला और रजिस्ट्री के नाम पर राशि भी खर्च हो गई।पोलायकलां तहसीलदार शिल्पा सिंह ने कहा की मुझे कुछ ही दिन पहले प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची जांच हेतु वरिष्ठ अधिकारी से निर्देश प्राप्त हुए थे। अभी सर्वे का कार्य चल रहा है जल्द ही टीम गठित कर सर्वे किया जायेगा। पोलायकलां नगरपरिषद सीएमओ भगवान सिंह भिलाला ने कहा की हमारे द्वारा 54 हितग्राहियों की सूची भेजी गई है जो भी निर्देश मिलेंगे पालन किया जाएगा।

पार्षदों का आरोप-सरकार की योजना हकदारों तक पहुंचाने में बाधा

नगरपरिषद पोलायकलां पार्षद वार्ड नंबर 08 विनोद मालवीय ने कहा कि एस डी एम शुजालपुर के द्वारा बार बार जांच के नाम पर दबाब बनाया जा रहा है। पांच बार जांच हो चुकी है, लेकिन मेडम के द्वारा हठधर्मिता की जा रही है, जिससे ये पात्र हितग्राही भी लाभ से वचिंत है। वहीं घनश्याम मालवीय पार्षद वार्ड नंबर 09 नगरपरिषद पोलायकलां ने कहा की कलेक्टर एसडीएम नहीं चाहती की सरकार की योजनाओं का पात्र हितग्राही को भी लाभ मिले।

इसलिए पांच बार सर्वे होने के बाद भी सूची को अमान्य कर दिया फिर से जांच करवाई की जा रही। नरेश दीक्षित पार्षद वार्ड नंबर 11 नगरपरिषद पोलायकलां ने कहा की नगरी प्रशासन मंत्रालय के द्वारा स्व स्वामित्व प्रमाण को भी प्रधानमंत्री आवास में पात्र माना गया है। लेकिन सिर्फ एसडीएम और कलेक्टर अपने तानाशाही रवैया के कारण बार-बार सूची की जांच कर रहे हैं।

पांच बार जांच कर चुके फिर भी सूची फाइनल नहीं

मध्यप्रदेश में ऐसा पहला मामला होगा जहां पांच बार तहसीलदार के द्वारा जांच करवाकर पात्र हितग्राहियों की सूची बनाई गई और हर बार उस सूची को जांच के नाम पर अमान्य कर दिया। सिस्टम की लापरवाही का खामियाजा इन गरीबों को भुगतना पड़ रहा है।

कच्चे मकानों में रह रहे पोलायकलां के इन दलित परिवारों ने कलेक्टर को भी जनसुनवाई में दो बार आवेदन दिया। प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाएं जाने की मांग की।

कलेक्टर और एसडीएम पर आरोप लगा रहे हैं हमें इस योजना से वंचित करने के लिए बार-बार जांच करवाई जा रही है। हमारे पास न खेती है,न पक्के मकान। मजदूरी करके अपना जीवन यापन कर रहे हैं। इस बारिश में दो मकान गिर ग ए,इन घरों में लोग सोएं हुए थे, उनकी जान बच गई। प्रशासन क्या हमारी मौत का इंतजार कर रहा है।

पाइपलाइन फटने से हजारों लीटर पानी बर्बाद

सीहोर,एजेंसी। सीहोर में बस स्टैंड स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के पास पेयजल की मुख्य पाइपलाइन फट गई। इस कारण हजारों लीटर पानी सड़कों पर बह गया। जबकि इस साल बारिश भी कम हुई है और पानी की किल्लत बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार सुबह अचानक पेयजल लाइन में बड़ा लीकेज हो गया। राहगीरों ने पानी बहते देखा तो तुरंत अधिकारियों को सूचना दी, लेकिन काफी देर तक मरम्मत का काम शुरू नहीं हुआ। इतनी देर में हजारों लीटर पानी बर्बाद होता रहा।

लोगों का कहना है कि इससे पहले भी मछली पुल से रेलवे स्टेशन मार्ग पर मुख्य पाइपलाइन फटने से बड़ी मात्रा में पानी बह चुका है। बार-बार हो रहे ऐसे हादसों से पेयजल संकट और गहरा सकता है। गौरतलब है कि सीहोर में इस बार मानसून कमजोर रहा। जिले में अब तक 976 एमएम बारिश हुई है, जबकि पिछले साल 1036 एमएम दर्ज की गई थी। इसके बावजूद शहर में रोज पानी नहीं मिल पा रहा और एक दिन छोड़कर सप्लाई दी जा रही है। ऐसे हालात में हजारों लीटर पेयजल का यूं बह जाना हैरान करने वाला है।

भारत ए बनाम ऑस्ट्रेलिया ए

ध्रुव जुरेल का तूफानी शतक, श्रेयस अय्यर रहे फ्लॉप, भारत ने 4 विकेट पर बनाए 403 रन

लखनऊ, एजेंसी। इकाना स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ खेले जा रहे अनाधिकारिक टेस्ट में श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय ए टीम ने तीसरे दिन की समाप्ति पर 4 विकेट के नुकसान पर 403 रन बना लिए हैं।

भारतीय ए टीम की तरफ से विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने प्रभावित किया। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए जुरेल ने आक्रामक बल्लेबाजी की। वह 132 गेंद पर 4 छक्के और 10 चौके की मदद से 113 रन बनाकर नाबाद हैं। जुरेल ने देवदत्त पड्डिकल के साथ 181 रन की साझेदारी कर ली है। पड्डिकल भी शतक के करीब हैं और 178 गेंद पर 8 चौके की मदद से 86 रन बनाकर खेल रहे हैं।

इससे पहले नारायण जगदीसन 113 गेंद पर 1 छक्का और 7 चौके की मदद से 64 रन बनाकर आउट हुए। साई सुदर्शन ने 124 गेंद पर 10 चौके की मदद से 73 रन की पारी खेली। अभिमन्यु ईश्वरन खेल के दूसरे दिन 44 रन बनाकर आउट हुए थे।

कप्तान श्रेयस अय्यर ने निराश किया। टेस्ट फॉर्मेट में वापसी की कोशिश में जुटे अय्यर से बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन वह 13 गेंद पर 8 रन बनाकर आउट हो गए।

एशिया कप - श्रीलंका से 6 विकेट से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हुई अफगानिस्तान

अबू धाबी, ।एशिया कप 2025 के ग्रुप बी के आखिरी लीग मैच में श्रीलंका ने अफगानिस्तान को हरा दिया। गुरुवार को शेख जायद स्टेडियम में खेले गए मैच में कुसाल मेंडिस के बेहतरीन अर्धशतक के दम पर श्रीलंका ने 6 विकेट से मैच जीता। हार के साथ ही अफगानिस्तान एशिया कप 2025 से बाहर हो गई।

170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 22 के स्कोर पर पाथुम निसांका का विकेट खो दिया। अहम मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज कुसाल मेंडिस ने बेहतरीन अर्धशतक लगाया। वह 52 गेंद पर 10 चौके की मदद से 74 रन बनाकर नाबाद रहे। मेंडिस को कुसाल परेरा (20 गेंद पर 28 रन), चरिथ असालंका (12 गेंद पर 17 रन) और कामिंदु मेंडिस (13 गेंद पर 26 रन) का अच्छा सहयोग मिला। श्रीलंका ने 18.4 ओवर में 4 विकेट पर 171 रन बनाए।

अफगानिस्तान अपनी गेंदबाजी, खासकर स्पिन के लिए जानी जाती है। इस मैच में टीम के अनुभवी स्पिनर राशिद खान और नबी किफायती रहे लेकिन विकेट लेने में सफल नहीं रहे। नबी ने 3 ओवर में 20 रन देकर 1 विकेट लिया। राशिद ने 4 ओवर में 23 रन दिए, लेकिन विकेट नहीं ले सके। नूर अहमद, उमरजई और मुजीब उर रहमान को 1-1 विकेट मिला।

इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की स्थिति बेहद खराब थी। टीम ने 12.1 ओवर में 79 रन पर अपने 6 विकेट गंवा दिए थे। मोहम्मद नबी ने राशिद खान के साथ सातवें विकेट के लिए 35 रन की साझेदारी की। राशिद 23 गेंद पर 24 रन बनाकर आउट हुए। राशिद का जब विकेट गिरा उस समय अफगानिस्तान का स्कोर 17.1 ओवर में 114 रन पर 7 विकेट था। इसके बाद मोर्चा नबी ने संभाला। 19 ओवर में नबी ने 17 रन बटोरे। 19 ओवर की समाप्ति के बाद अफगानिस्तान का स्कोर 7 विकेट पर 137 रन था। 20वां ओवर लेकर डुनिथ वेल्लालेग आए। नबी ने इस ओवर में लगातार 5 छक्के लगाए।

न्यूजीलैंड टी20 दौरे से बाहर हुए इंग्लिस, कैरी टीम में शामिल

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर-बल्लेबाज जॉश इंग्लिस पिंडली की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह एलेक्स कैरी को टीम में शामिल किया गया है।

जानकारी के अनुसार, इंग्लिस को मंगलवार को पर्थ में दौड़ने के सत्र के दौरान दाहिनी पिंडली में खिंचाव महसूस हुआ। स्कैन के बाद उन्हें श्रृंखला से बाहर कर दिया गया। यह मुकाबले 1, 3 और 4 अक्टूबर को माउंट माउंगानुई में खेले जाएंगे।

इंग्लिस इस श्रृंखला से बाहर होने वाले चौथे प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं। इससे पहले पैट कमिंस (कमर की चोट), कैमरन ग्रीन (शेफील्ड शील्ड की तैयारी) और नाथन एलिस (पहले बच्चे के जन्म के कारण) भी उपलब्ध नहीं हो पाए।

इंग्लिस को पिछले नौ महीनों में दूसरी बार पिंडली की चोट लगी है। दिसंबर 2024 में भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान भी उन्हें

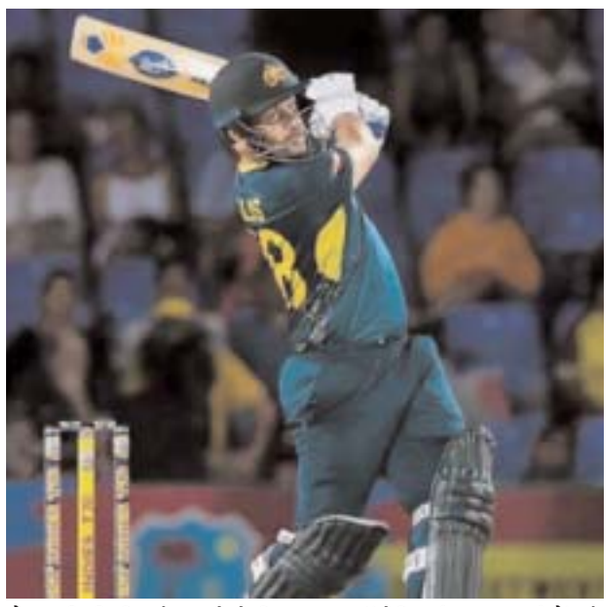

चोट लगी थी, जिसके चलते वे बिग बैश लीग का बाकी सीजन मिस कर गए थे। हालांकि, उम्मीद है कि वे 19 अक्टूबर से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली वनडे श्रृंखला तक फिट हो जाएंगे।

ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं के लिए यह चोट परेशानी लेकर आई है क्योंकि शुरुआती 14 सदस्यीय दल में कोई अतिरिक्त विकेटकीपर शामिल नहीं था। कैरी अब अपने शील्ड सीजन का हिस्सा सीमित तौर पर ही बन पाएंगे, क्योंकि उन्हें वनडे और टेस्ट सीरीज से पहले टीम के साथ रहना होगा। टी20 प्रारूप में कैरी का रिकॉर्ड बहुत प्रभावशाली नहीं रहा है, लेकिन उन्होंने हाल ही में कर्न्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इंग्लिस की अनुपस्थिति में विकेटकीपर की भूमिका निभाई थी।ऑस्ट्रेलिया की चयन समस्याएं आने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए भी चिंता का विषय बन सकती हैं, क्योंकि आईसीसी नियमों के तहत सिर्फ 15 खिलाड़ी ही चुने जा सकते हैं और चोटिल खिलाड़ी की जगह केवल पूरी तरह बाहर होने पर ही बदला जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम (न्यूजीलैंड दौरा): मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबट, जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, टिम डेविड, बेन ड्वार्शुइस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, मैट कूनेमन, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टॉइनिस, एडम जाम्पा।

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम पर धीमी ओवर गति के लिए लगाया गया जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। नई चंडीगढ़ में मंगलवार को खेले गए भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरे महिला वनडे में ऑस्ट्रेलियाई टीम को धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुर्माना भरना पड़ा। टीम पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी की सदस्य जी. एस. लक्ष्मी ने यह सजा सुनाई। समय छूट को ध्यान में रखने के बाद भी ऑस्ट्रेलियाई टीम निर्धारित लक्ष्य से दो ओवर पीछे पाई गई।

आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार न्यूनतम ओवर गति के उल्लंघन पर प्रत्येक ओवर के लिए खिलाड़ियों की मैच फीस का 5 प्रतिशत काटा जाता है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने इस गलती को स्वीकार करते हुए जुर्माने को मान लिया, जिसके बाद औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी।

अंतिम पंघाल का वर्ल्ड चैंपियनशिप में दूसरा ब्रॉन्ज मेडल

विनेश के बाद दो मेडल जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला, ग्रीको-रोमन पहलवानों को कोई मेडल नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला पहलवान अंतिम पंघाल ने गुरुवार को वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप में महिलाओं के 53 किग्रा वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

उन्होंने स्वीडन की -23 वर्ल्ड चैंपियन एम्मा जोन्ना डेनिस मालमग्रेन को 9-1 से हराया। यह भारत का इस टूर्नामेंट में पहला और एकमात्र मेडल रहा।

ओलिंपिक हार के बाद दमदार वापसी: अंतिम का यह वर्ल्ड चैंपियनशिप में दूसरा मेडल है। इससे पहले 2023 में भी उन्होंने ब्रॉन्ज जीता था। हालांकि, 2024 पेरिस ओलिंपिक में वह पहले दौर में हारकर बाहर हो गई थीं। इस बार के मेडल से उन्होंने न केवल शानदार वापसी की है, बल्कि भारतीय कुश्ती में अपनी मजबूत स्थिति भी साबित की।

विनेश फोगाट के बाद बनीं दूसरी भारतीय: अंतिम पंघाल विनेश फोगाट के बाद दूसरी भारतीय महिला पहलवान बन गई हैं, जिन्होंने वर्ल्ड चैंपियनशिप में एक से अधिक मेडल जीते हैं। अन्य भारतीय महिला पहलवानों जैसे अल्का तोमर, गीता फोगाट, बबीता फोगाट, पूजा ढांडा, सरिता मोर और अंशु मलिक के नाम केवल एक-एक वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल है।

ग्रीको-रोमन पहलवानों का निराशाजनक प्रदर्शन: इस चैंपियनशिप में भारतीय ग्रीको-रोमन पहलवानों का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। गुरुवार को मैदान में उतरे चारों पहलवान न तो कोई मुकाबला जीत सके और न ही अंक हासिल कर पाए। सबसे चौंकाने वाली हार 55 किग्रा वर्ग में अनिल मोर की रही, जिन्हें वर्ल्ड नंबर-1 अजरबैजान के एल्डानिज अजीजली ने केवल 13 सेकंड में तकनीकी श्रेष्ठता से हरा दिया। अजीजली ने अनिल को हेडलॉक में फंसाकर कई फ्लिप्स किए और मुकाबला समाप्त कर दिया। अजीजली के सेमीफाइनल में हार जाने के बाद अनिल को रेपेचेज का मौका भी नहीं मिला।

चाइना मास्टर्स में पी.वी. सिंधु क्वार्टर फाइनल में हारीं, एन से यंग ने सीधे गेमों में हराया

सिंधु अब तक उनसे नहीं जीत सकी हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी.वी. सिंधु का वर्ल्ड नंबर-1 एन से यंग के खिलाफ हार का सिलसिला जारी रहा। शुक्रवार को चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के विमेंस सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में सिंधु को कोरिया की इस खिलाड़ी ने सीधे गेमों में 21-14, 21-13 से हराया।

यह मुकाबला मात्र 38 मिनट तक चला। दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट सिंधु का एन से यंग के खिलाफ यह लगातार आठवीं हार थी। 23 साल की कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ सिंधु अब तक एक भी मैच नहीं जीत पाई हैं। एन से यंग पेरिस ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट हैं।

सिंधु लगातार आठवीं बार कोरियाई खिलाड़ी एन से यंग से हारीं।

सिंधु लगातार आठवीं बार कोरियाई खिलाड़ी एन से यंग से हारीं।

पहले गेम में सिंधु की शुरुआत कमजोर: इस मैच में सिंधु की शुरुआत कमजोर रही। पहले 1-6 से पिछड़ने के बाद उन्होंने वापसी की कोशिश की और स्कोर 5-9 तक पहुंचाया। हालांकि, एन से यंग ने बाद में 11-5 की बढ़त बना ली। सिंधु ने फिर से वापसी की कोशिश की और स्कोर 11-14 तक पहुंचाया, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने अपनी पकड़ बनाए रखी। आखिरकार, एन से यंग ने पहला गेम 21-14 से जीत लिया।

दूसरे गेम में सिंधु ने बढ़त बनाई, पर बाद में पिछड़ गईं: दूसरे गेम में सिंधु ने शुरुआत में 3-2 की बढ़त बनाई, बाद में एन ने वापसी की और स्कोर को 7-8 तक पहुंचाया और फिर उन्होंने बढ़त 11-7 कर लिया। बाद में एन ने इसे 14-7 कर लिया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा।

भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने पर राष्ट्रव्यापी जश्न मनेगा: हॉकी इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने पर हॉकी इंडिया ने अखिल भारतीय स्तर पर समारोहों का आह्वान किया है। 7 नवंबर को विशेष समारोह का आयोजन होगा। भारतीय हॉकी की यात्रा 1925 में पहले राष्ट्रीय खेल संस्था के गठन के साथ शुरू हुई थी। समारोह से जुड़ा विवरण जल्द दिया जाएगा।

हॉकी इंडिया ने भारतीय हॉकी के स्वर्णिम इतिहास की चर्चा की है, जिसमें 8 ओलंपिक स्वर्ण पदक शामिल हैं। यह अब तक किसी भी देश द्वारा इस खेल में जीते गए अधिकतम पदक हैं और साथ ही भारत द्वारा ओलंपिक में किसी भी खेल में जीते गए सर्वाधिक पदक भी हैं।

भारतीय हॉकी के पुराने दिग्गज गुरबक्स सिंह ने कहा, भारत में आयोजित पहला हॉकी टूर्नामेंट 1895 में बेयटन कप था। राष्ट्रीय हॉकी संघ का गठन 1925 में हुआ और भारत ने इसके गठन के केवल तीन साल बाद 1928 में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता। उसके बाद, भारत ने 1932 और 1936 में स्वर्ण पदक जीते और अगर द्वितीय विश्व युद्ध न होता, तो 1940

और 1944 में भी ये खेल आयोजित होते, तो हम दो और स्वर्ण पदक जीत सकते थे। वह ध्यानचंद का युग था और हमने पूरी दुनिया पर अपना दबदबा कायम कर लिया था। ब्रिटेन ने भारत से हारने के डर से 1948 तक हॉकी टीम नहीं उतारी थी।

उन्होंने कहा, हॉकी ने न केवल भारत के खेल इतिहास में, बल्कि राष्ट्रवाद में भी योगदान दिया है। टीम का प्रदर्शन एक राष्ट्र के रूप में एकता की भावना लाने के लिए महत्वपूर्ण था। अंग्रेजों ने 1948 में ही हॉकी टीम उतारी थी, क्योंकि उन्हें भारत से हारने का डर था, जब वे हम पर शासन करते थे। और आजादी मिलने के बाद उन्हें उन्हीं के घर में हराना भारतीय इतिहास के सबसे महान क्षणों में से एक था।

हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी ने कहा कि बर्लिन ओलंपिक के फाइनल में अली दारा को टीम को मजबूत करने के लिए बुलाया गया था। जर्मनी (एक क्लब टीम जिसमें ज्यादातर राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी थे) ने अभ्यास मैचों में भारत को हराया था। जब हम फाइनल में उनके खिलाफ थे, तो दारा को उस मैच के लिए हवाई जहाज से बुलाया गया था।

चेन्नई ओपन 2025 - श्रीलंका के एन थंगराजा शीर्ष पर पहुंचे

चेन्नई, एजेंसी। श्रीलंका के एन. थंगराजा गुरुवार को यहां कॉस्मो टीएनजीएफ गोल्फ कोर्स में खेले जा रहे एक करोड़ रुपये इनामी चेन्नई ओपन 2025 के तीसरे राउंड में टूर्नामेंट के न्यूनतम स्कोर नौ अंडर 63 की बराबरी करते हुए लीडरबोर्ड में शीर्ष पर पहुंच गए। तीसरे राउंड को %मूविंग डे% के रूप में भी जाना जाता है। थंगराजा (69-66-63), जो मध्यांतर तक संयुक्त चौथे स्थान पर थे, ने तीसरे दिन अच्छी शुरुआत की और तीन स्थान ऊपर चढ़कर 18-अंडर 198 के स्कोर के साथ एक शॉट की बढ़त बना ली। पीजीटीआई में पांच बार विजेता रहे थंगराजा, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में अपनी आखिरी जीत हासिल की थी, अब दूसरे स्थान पर काबिज मनु गंडास के साथ अपनी प्रतिद्वंद्विता फिर से शुरू कर रहे हैं, जिन्होंने तीन साल पहले चेन्नई ओपन में पिछले दिन पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए थंगराजा को हराया था। यह प्रतियोगिता भी कॉस्मो टीएनजीएफ गोल्फ कोर्स में ही खेली गई थी। गुरुग्राम के मनु गंडास (66-68-65) ने त्रुटिरहित 65 का स्कोर बनाकर एक स्थान का सुधार किया और 17-

अंडर 199 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए। दिल्ली के शौर्य भट्टाचार्य (67-65-69) तीसरे दिन 69 का स्कोर बनाने के बाद 15-अंडर 201 के स्कोर के साथ एक स्थान नीचे तीसरे स्थान पर खिसक गए। चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा, जो एक शॉट से आधे रास्ते पर आगे चल रहे थे, गुरुवार को 71 के अपने राउंड के बाद 14-अंडर 202 के स्कोर के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर खिसक गए। अक्षय के साथ हनी बैसोया (66) संयुक्त चौथे स्थान पर रहे। इससे पहले, अधूरा दूसरा राउंड एक ओवर 145 के स्कोर के साथ पूरा हुआ। 57 पेशेवर खिलाड़ियों ने कट हासिल किया। इसके बाद स्थानीय समयानुसार सुबह 9:10 बजे से तीसरा राउंड फिर से शुरू हुआ। 44 वर्षीय कोलंबो निवासी एन. थंगराजा ने तीसरे दिन शानदार 63 का स्कोर बनाया, जिससे उन्होंने टूर्नामेंट के सबसे कम स्कोर की बराबरी कर ली, जो अक्षय शर्मा ने पहले राउंड में और अनंत सिंह अहलावत ने दूसरे राउंड में बनाया था। थंगराजा के राउंड में 16वें राउंड में एक ईगल, आठ बर्डी और एक बोगी शामिल थी। उन्होंने अपने आयरन और वेजेज का बेहतरीन इस्तेमाल किया, जिससे उन्हें चार टैप-इन मिले, एक ईगल के लिए और तीन बर्डी के लिए। दिन का उनका सबसे लंबा पुट पांचवें राउंड में 20 फुट का बर्डी रूपांतरण था। थंगराजा ने कहा, ÷आज मेरे अप्रोच शॉट और वेज शॉट बिलकुल सही थे। पहले दो राउंड में मुझे अपनी पुट लगाने में थोड़ी दिक्कत हुई, लेकिन आज यह ज्यादा मजबूत था, हालांकि मैंने ज्यादा लंबे पुट नहीं लगाए। उन्होंने कहा, ÷मैं इस स्थान से अच्छी तरह वाकिफ हूं और इस जगह पर अपने घर जैसा महसूस करता हूं, क्योंकि मैंने पहले भी यहां अच्छा प्रदर्शन किया है। तीन साल बाद एक ही जगह पर लीडर ग्रुप में मनु के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करना बहुत अच्छा है। मैं इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं क्योंकि मैं अपने खेल को लेकर अच्छा महसूस कर रहा हूं, पिछले चार इवेंट्स में टॉप-15 में रहा हूं।÷ अपने नौवें पीजीटीआई खिताब और डेढ़ साल में पहली जीत की तलाश में लगे मनु गंडास ने गुरुवार को सात बर्डी के साथ खुद को एक दावेदार के रूप में घोषित किया।

मुख्यमंत्री ने त्योंथर को दी 162.31 करोड़ के निर्माण कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री ने त्योंथर में आईटीआई तथा 400 एकड़ में औद्योगिक विकास केंद्र के निर्माण की घोषणा की

त्योंथर में औद्योगिक निवेश से पूरे विंध्य का होगा विकास

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने त्योंथर विधानसभा क्षेत्र के चाकघाट कृषि उपज मंडी में आयोजित विंध्य विकास संकल्प सम्मेलन को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लिए मध्यप्रदेश का प्रवेश द्वार है। यहां टमस नदी की अपार जलराशि और पर्याप्त भूमि उपलब्ध है। यहां शीघ्र ही औद्योगिक विकास केंद्र की स्थापना की जाएगी। इससे औद्योगिक विकास होगा। जबसे डबल इंजन की सरकार बनी है तबसे पूरे प्रदेश में तेजी से विकास हो रहा है। मैं पिछले साल ही त्योंथर आना चाहता था, लेकिन नहीं आ सका। त्योंथर के यशस्वी पूर्व विधायक तथा विधानसभा अध्यक्ष श्रीयुत श्रीनिवास तिवारी के जन्मदिन पर भी मुझे यहां आना था, लेकिन देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना जन्मदिन मनाने के लिए मध्यप्रदेश के आदिवासियों और गरीबों के बीच में 17 सितंबर को आए। प्रधानमंत्री जी ने 200 एकड़ क्षेत्र में देश के सबसे बड़े टेक्सटाइल पार्क की नींव रखी। इससे 6 लाख कपास उत्पादक किसानों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने मंच पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्वर्गीय श्रीनिवास तिवारी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निजी संस्थान द्वारा 125 करोड़ रुपए की लागत से कंप्रेस्ड बायोगैस संयंत्र की स्थापना की जा रही है। इसका आज भूमि पूजन किया गया है। इससे क्षेत्र की धान की पराली और भूसे की समस्या से निजात मिलेगी। किसानों को फसल के साथ-साथ फसल अवशिष्ट के भी दाम मिलेंगे। साथ ही बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा। इससे हर साल 18000 टन खाद का निर्माण होगा। मुख्यमंत्री ने त्योंथर सिविल अस्पताल में 50 बिस्तर को 100 बिस्तरों में उन्नयन करने की घोषणा की।मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योंथर में आईटीआई तथा 400 एकड़ क्षेत्र में औद्योगिक विकास केंद्र का निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने हाल ही में लाड़ली बहनों को 1250 रुपए की जगह 1500 दिए गए हैं। त्योंथर में दशहरा, दीवाली में तो आनंद और उल्लास होगा ही उसके पहले ही 162.31 करोड़ की सौगात दी गई है। इससे पूरे क्षेत्र का नक्शा बदल जाएगा। हमारी सरकार शिक्षा, स्वरोजगार और औद्योगिक विकास के लिए हर संभव सहायता दे रही है। रीवा की पहचान सुंदरजा आम है। एक एकड़ में आम की बगिया लगाने पर 4 लाख 10 हजार रुपए दिए जा रहे हैं। बाग भी आपका आमदनी भी आपकी और आम भी आपके। गौपालन करने पर 25 गायों की गौशाला पर 40 लाख रुपए तक की योजना है। इसमें से 10 लाख रुपए अनुदान दिया जा रहा है। कोई बीमार होता है तो उसे आयुष्मान कार्ड से निशुल्क उपचार की सुविधा है। जरूरत पड़ती है तो हेलीकॉप्टर और एयर एंबुलेंस से गंभीर रोगी को बड़े अस्पताल पहुंचाते हैं। विंध्य की भूमि भगवान राम की रही है। चित्रकूट धाम के विकास के लिए 2250 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। प्रदेश में भगवान कृष्ण से जुड़े स्थानों का भी विकास किया जा रहा है। प्रदेश के प्रत्येक नगर पंचायत में गीता भवन का निर्माण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में कन्या पूजन करके बेटियों का सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजना के हितग्राहियों को हित लाभ का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने तीन उद्योगपतियों को उद्योग लगाने के लिए भूमि आवंटन पत्र प्रदान किया। समारोह में गोपाल ने दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने की सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। समारोह में सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा कि गैस प्लांट की स्थापना से पराली की समस्या हल होगी। हमारी सरकार ने त्योंथर क्षेत्र में पुल, नहर और सड़कों की कई सौगातें दी हैं। यहां के लिए स्वीकृत सिंचाई परियोजनाओं से अगले 5 सालों में हर खेत में सिंचाई की सुविधा होगी। समारोह में मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए विधायक त्योंथर श्री सिद्धार्थ तिवारी राज ने कहा कि मुख्यमंत्री जी का हर क्षण प्रदेश के विकास के लिए समर्पित है। मुख्यमंत्री सही मायने में कर्मयोगी की हैं।

नवरात्री पर्व पर दो दिवसीय गरबा डांडिया का आयोजन रतहरा तालाब में

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के कई क्षेत्रों में गरबा डांडिया की धूम मचने वाली है। इसी कड़ी में शहर के रतहरा तालाब में होने जा रहे गरबा डांडिया कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो गई है। इस कार्यक्रम के लिए आस-पास के मोहल्लों के बच्चों और अन्य प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कार्यक्रम के आयोजक राहुल वर्मा और आकाश रावत ने बताया कि यह दो दिवसीय कार्यक्रम 25 और 26 सितंबर को होगा। उक्त कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक राहुल वर्मा द्वारा एक साथ 50 बच्चों को गुजरती स्टेप के साथ गरबा सिखाया जा रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य मार्गदर्शक और संरक्षक समाजसेवी अविराज, रोशनी मैत्री, बंसी साहू, और पार्षद अशोक पटेल हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में शहर के प्रतिष्ठित जनों का सहयोग मिल रहा है।

आयोजक राहुल वर्मा और आकाश रावत ने शहरवासियों से अपील की है कि वे इस कार्यक्रम में शामिल होकर नवरात्रि पर्व की खुशियों का हिस्सा बनें। गरबा डांडिया का यह आयोजन न केवल सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखने का एक अवसर है, बल्कि यह समाज में एकता और भाईचारे को भी बढ़ावा देगा।

स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभारी अधिकारी बने पवन गुरैया, सिविल अस्पताल की निगरानी करेंगे; उद्देश्य- योजनाओं का बेहतर संचालन

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कदम उठाया गया है। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने डिप्टी कलेक्टर पवन गुरैया को जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों और सिविल अस्पताल का प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है। यह निर्णय स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारू संचालन और निगरानी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है।

अपनी नई भूमिका में, गुरैया स्वास्थ्य संस्थानों के व्यवस्थित संचालन, पर्यवेक्षण, स्वच्छता व्यवस्था और विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी करेंगे। उनकी प्रमुख जिम्मेदारियों में स्वास्थ्य सुविधाओं से संबंधित समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना भी शामिल है। कलेक्टर संजय कुमार जैन का मानना है कि प्रभारी अधिकारी की नियमित निगरानी और त्वरित कार्रवाई से आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी।

इससे विभागीय योजनाओं का लाभ भी समय पर जरूरतमंदों तक पहुंच सकेगा। यह पहल जिले के स्वास्थ्य विभाग में सुधार और पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से की गई है।इस आदेश के लागू होने के बाद, जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में और अधिक सुधार होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री ने त्योंथर में 162.31 करोड़ के निर्माण कार्यों का किया शिलान्यास

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एक दिवसीय प्रवास पर रीवा जिले के त्योंथर विधानसभा क्षेत्र के चाकघाट मण्डी प्रांगण में आयोजित विन्ध्य विकास एवं संकल्प सम्मेलन में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने विशाल जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में 162 करोड़ 31 लाख रुपए की लागत के 5 निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने 125 करोड़ रुपए की लागत से ग्राम टंगहा में निजी संस्था द्वारा बनाए जा रहे कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट की आधारशिला रखी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने 5.1 किलोमीटर लम्बाई की दो सड़कों का शिलान्यास किया। इनकी लागत पाँच करोड़ 40 लाख रुपए है। मुख्यमंत्री ने टमस नदी में चिल्ला में पुल निर्माण लागत 28 करोड़ 96 हजार रुपए तथा ग्राम मझगवां डीही से लठिया तालाब तक 3.8 किलोमीटर लम्बाई के पहुंच मार्ग का भी शिलान्यास किया। इसकी लागत 3 करोड़ 45 लाख रुपए है।

बुजुर्ग महिला से चेन स्नेचिंग करने वाले युवती समेत तीन गिरफ्तार, अस्पताल जाने के दौरान बनाया था निशाना; बाइक जब्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संजय गांधी अस्पताल से इलाज के बाद घर लौट रही एक 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला के साथ चेन स्नैचिंग करने वाले आरोपियों को रीवा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों में दो युवक और एक युवती शामिल हैं। पुलिस ने उनके पास से चोरी की गई सोने की चेन के टुकड़े और घटना में इस्तेमाल की गई बाइक जब्त की है।

अस्पताल से लौटते समय छीनी चेन: फरियादी कुसुम नामदेव, निवासी पाण्डेयन टोला, ने 15 सितंबर को सिटी कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह इलाज कराने के बाद पैदल घर लौट रही थीं। दोपहर करीब 2:30 बजे एक बाइक पर सवार युवक ने उनके गले से सोने की चैन झपट ली और मौके से फरार हो गया। महिला ने तत्काल थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज किया और जांच शुरू की।

तकनीकी सुरागों से आरोपियों तक पहुंची पुलिस: घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। सिटी कोतवाली पुलिस ने एक विशेष टीम बनाकर घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की और अन्य तकनीकी साक्ष्य जुटाए। जांच के आधार पर दो संदेहियों विवेक उर्फ गोलू बेलदार (पिता संतोष बेलदार) और अभिषेक महात्मा उर्फ जीजा (पिता बलराम महात्मा), दोनों निवासी पाण्डेयन टोला को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में दोनों ने वारदात करना स्वीकार किया और बताया कि उन्होंने यह घटना अर्पिता रावत नामक युवती के साथ मिलकर की थी। तीनों ने मिलकर चैन झपटी और बाद में उसे तोड़कर बेचने की योजना बनाई।

किसानों ने घेरा तो एसडीओ ने माफी मांगी

किसानों के साथ अभद्र व्यवहार करने का वीडियो सामने आया

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के हनुमना में किसानों के साथ अभद्र व्यवहार करना कृषि विभाग के एसडीओ रवि सिंह बघेल को भारी पड़ गया। किसानों ने अधिकारी को घेर लिया, जिसके बाद उन्हें सबके सामने माफी मांगनी पड़ी। इस पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर सामने आया है। यह घटना हनुमना स्थित विपणन सहकारी समिति की है, जहां कई महीनों से किसान खाद के लिए परेशान हैं। समय पर खाद नहीं मिलने के कारण किसानों को समिति के बाहर घंटों तक लंबी लाइनों में खड़ा रहना पड़ रहा था। जब एसडीओ रवि सिंह बघेल मौके पर पहुंचे तो उन्होंने किसानों की समस्या समझने के बजाय उनसे तू-तड़ाक और रे जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए बात की।

अधिकारी के इस रवैये से गुस्साए किसानों ने उन्हें तुरंत घेर लिया। किसानों ने एसडीओ से साफ कहा कि वे उनके बंधुआ मजदूर नहीं हैं और उनसे सम्मान से बात की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारी का काम किसानों की समस्याओं को हल करना है, न कि उनसे बदतमीजी करना। करीब दो मिनट तक किसानों की खरी-खोटी सुनने के बाद जब स्थिति बिगड़ने लगी तो एसडीओ रवि सिंह बघेल को झुकना पड़ा और उन्होंने मौके पर ही किसानों से माफी मांगी।

वीडियो हुआ वायरल किसानों ने इस घटना का वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

तेज रफ्तार कार घर में घुसी, मां-बेटा गंभीर घायल; संजय गांधी अस्पताल में इलाज जारी

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के लौर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गणिगमा में देर शाम एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर एक मकान में घुस गई। इस दुर्घटना में घर के अंदर बैठे मां-बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को रीवा के संजय गांधी अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। मकान मालिक दिलीश प्रजापति ने बताया कि यह घटना शाम को हुई, जब उनकी पत्नी लीलावती और बेटा घर के अंदर मौजूद थे। तेज रफ्तार कार ने घर का दरवाजा और दीवार तोड़ दी, जिससे दोनों को गंभीर चोटें आईं। आसपास के लोगों ने आवाज सुनकर घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कार में एक युवक और युवती सवार थे। बताया गया है कि कार का मालिक युवक सीधी जिले का निवासी है, जबकि कार चला रही युवती पास के ही गांव की रहने वाली है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, दोनों अगले महीने शादी करने वाले थे और बाजार से खरीदारी कर लौट रहे थे। मकान मालिक ने बताया कि युवती कार चला रही थी और तेज रफ्तार के कारण वाहन बेकाबू होकर उनके घर में घुस गया। इस दुर्घटना में घर की दीवार और दरवाजा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा।

मऊगंज के ग्राम ढनगन के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत: मऊगंज जिले के लौर थाना क्षेत्र में गुरुवार रात एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक लल्लू साकेत (28) की मौत हो गई। ग्राम ढनगन के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही उसकी जान चली गई।

टी.आर.एस. कॉलेज में स्वच्छता अभियान का आयोजन, युवाओं ने लिया स्वच्छ समाज बनाने का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग तथा इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के निर्देशानुसार सेवा पखवाड़े के अंतर्गत स्वच्छता अभियान का सफल आयोजन किया गया। इस अभियान का संचालन महाविद्यालय की युवक रेडक्रॉस इकाई द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी ने कहा, स्वच्छता हमारे जीवन का अनिवार्य हिस्सा है। जहाँ स्वच्छता होती है, वहाँ रोग नहीं पनपते। उन्होंने छात्रों से स्वच्छता अभियान को जनांदोलन बनाने का आह्वान किया।

छात्र-छात्राओं ने परिसर से स्वच्छता रैली निकालकर जागरूकता का संदेश दिया। रैली के दौरान स्वच्छ भारत- स्वस्थ भारत जैसे नारों से वातावरण गूंज उठा। इसके बाद विद्यार्थियों ने महाविद्यालय परिसर में सफाई अभियान चलाया और परिसर को स्वच्छ बनाने में योगदान दिया।

संयोजक प्रो. अखिलेश शुक्ल ने कहा, हमें स्वच्छता को अपनी आदत बनाना चाहिए। सभी छात्रों ने स्वच्छ समाज निर्माण की शपथ ली।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. गुंजन सिंह ने किया। आयोजन को सफल बनाने में डॉ. विनोद विश्वकर्मा, डॉ. शिल्पी जैन, और डॉ. प्रियंका पाण्डेय की सक्रिय उपस्थिति उल्लेखनीय रही। अंत में, डॉ. प्रियंका तिवारी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे अभियान युवाओं को जीवन की सही दिशा दिखाने में सहायक होते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव की नींव रखते हैं।

दाहिया समाज का प्रदेश के विकास में विशेष भूमिका है: राजेन्द्र शुक्ल

दाहिया समाज सम्मेलन में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि दाहिया समाज का प्रदेश में विकास में विशेष योगदान है। कोटवार शब्द कोई जाति या धर्म नहीं बल्कि एक पद है। उन्होंने कहा कि इस शब्द को शासन के रिकार्ड से विलोपित कराने का प्रयास किया जायेगा। उप मुख्यमंत्री दाहिया समाज सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। मानस भवन में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि दाहिया समाज का सम्मेलन इसके पूर्व वर्ष 2015 में आयोजित हुआ था तब भी मैंने भी उसमें भाग लिया था आज 15 साल बाद मुझे पुनः इस कार्यक्रम में आने का अवसर मिला। दाहिया समाज को अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग पूरी हुई है और यह समाज शासन की योजनाओं का लाभ ले पाने में सफल हो रहा है। उन्होंने कहा कि समाज का संघर्ष पूरा हुआ। सरकार का काम यही होता है कि वह लोगों की आवाज सुने और उनकी जायज मांगों को पूरा करें। शुक्ल ने कहा कि इससे पूर्व की सरकार लोगों की जायज मांगे नहीं सुनती थीं। रीवा, विन्ध्य और मध्यप्रदेश बीमारू राज्य बन गया था अब कोई भी इन्हें पिछड़ा व बीमारू नहीं कह सकता। आज रीवा महानगर की तर्ज पर आगे बढ़ रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश का सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपना 75वां जन्मदिवस मध्यप्रदेश के गरीब व आदिवासी लोगों के बीच मनाया। उन्होंने स्वस्थ नारी सशक्त परिवार का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने माताओं, बहनों से कहा कि सभी लोग स्वास्थ्य केन्द्र जाकर अपनी संपूर्ण जांच करायें और इस अभियान को सफल बनायें। प्रधानमंत्री के ही संकल्प से हर घर में मीठा पानी पहुंचाया जा रहा है। शुक्ल ने दाहिया समाज के लोगों से शासन की योजनाओं का लाभ लेने की अपेक्षा की। सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री का सम्मान किया गया। इस दौरान रीवा एवं शहडोल संभाग के दाहिया समाज के पदाधिकारी तथा समाज के स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।